RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः185, रविवार, 13 जुलाई 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

पीएम के स्वागत के लिए मोतिहारी के छात्र ने बनाया राममंदिर का मॉडल 03

वन महोत्सव के तहत पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन, बच्चों ने दिया हरियाली का संदेश 04

भोजपुरी एक्ट्रेस आकांक्षा पुरी ने पिंक ड्रेस में ढाया कहर 07

'विकसित भारत' का मार्ग, 'विकसित केरल' से होकर ही जाता है : अमित शाह

एजेंसी, तिरुवनंतपुरम

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) केरल प्रदेश कार्यालय का उद्घाटन किया और विकसित केरल सम्मेलन को संबोधित किया। इस मौके पर उन्होंने केंद्र सरकार की ओर से किए जा रहे विकास कार्यों का उल्लेख किया और भाजपा कार्यकर्ताओं को 'विकसित केरलम' व 'विकसित भारत' की संकल्प को पूरा करने की दिशा में कार्य करने का आह्वान किया।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भाजपा के भव्य कार्यालय का उद्घाटन करते हुए उन सैकड़ों कार्यकर्ताओं को याद किया, जिन्होंने अपनी जान देकर भाजपा की विचारधारा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा किए गए कार्य , केरल में पार्टी के भविष्य की दिशा का संकेत देते हैं। आज केरल में भाजपा के नवनिर्मित कार्यालय का भव्य उद्घाटन संपन्न हुआ। इस कार्यालय का भूमि पूजन भी मैंने ही किया था और आज इसका उद्घाटन भी मेरे ही द्वारा सम्पन्न हुआ।

अमित शाह ने कहा कि कार्यालय का उद्घाटन उनके लिए व्यक्तिगत रूप से विशेष क्षण है, क्योंकि भारतीय जनसंघ के समय से लेकर आजतक की इस यात्रा में ऐसे कई पड़ाव आए हैं जो संगठनात्मक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रहे हैं। यह कार्यालय केवल संगठन का केंद्र न बनकर, केरल में एनडीए की सरकार बनाने की दिशा में एक सशक्त शुरुआत होगी।

उन्होंने कहा कि अन्य राजनीतिक दलों के लिए कार्यालय मात्र एक काम करने की जगह होता है, लेकिन भाजपा के लिए कार्यालय एक पवित्र स्थल होता है। भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए यह मंदिर के समान होता है। कार्यालय के

बिना पार्टी की विचारधारा कार्यकर्ताओं तक नहीं पहुंच सकती और विचारधारा के बिना भाजपा में एक कार्यकर्ता की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 'विकसित भारत' की संकल्पना देश के 140 करोड़ नागरिकों के समक्ष रखी है और इस 'विकसित भारत' का मार्ग, 'विकसित केरल' से होकर ही जाता है।

दक्षिण भारत के शक्तिशाली राज्यों के समग्र विकास के बिना 'विकसित भारत' की कल्पना अधूरी है। इस दिशा में यदि कोई राज्य सांस्कृतिक समन्वय, प्राचीन विरासत और आधुनिकता का सामंजस्य स्थापित कर आगे बढ़ सकता है, तो वह सिर्फ केरल ही है। उन्होंने कहा कि जब भाजपा ओडिशा में मेहनत कर रही थी, तब पार्टी पर ताने कसे गए। कहा गया कि यहां भाजपा की कोई जगह नहीं है, लेकिन कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत किया, जनाधार बढ़ाया और अंततः सरकार बनाने में कामयाब रही। इसी तरह असम में भी पार्टी को पहले मजाक का विषय बनाया गया, लेकिन असम की जनता ने भाजपा को स्वीकार किया और आज वहां लगातार दोबारी भाजपा की सरकार बनी है। अमित शाह ने कहा कि केरल की जनता ने 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को 11 प्रतिशत वोट दिए, 2019 में यह बढ़कर 13 प्रतिशत हुआ और 2024 में भाजपा को 16 प्रतिशत वोट मिले। इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए अब केरल में भाजपा की सरकार बनाने का समय आ गया है। अब सरकार बनाने के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं को पूरी ताकत से प्रयास करना है। जनता का रुझान भी अब स्पष्ट है और केरल के मतदाता समझदार और निर्णायक हैं। आगामी 2026 का विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए और भाजपा केरल में सरकार बनाएगी। इससे पहले गृह मंत्री ने प्रभु पद्मनाभ स्वामी के चरणों में प्रणाम करते हुए महान समाज सुधारक और स्वतंत्रता सेनानी श्रीमन्त पद्मानाभम, नारायणगुरु और महात्मा अय्यंकाली की पावन भूमि को श्रद्धांजलि अर्पित की और आदि शंकराचार्य की जन्मभूमि केरल को श्रद्धांजलि नमन किया। उन्होंने आदि शंकराचार्य के अपार योगदान पर प्रकाश डाला, जिसमें वेदांत, ब्रह्मसूत्र, वैदिक गणित और अन्य धर्मग्रंथों पर प्रमुख ग्रंथों की रचना शामिल है।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व जज जस्टिस वर्मा का हटना तय महाभियोग प्रस्ताव ला रही सरकार

नई दिल्ली । दिल्ली हाईकोर्ट के पूर्व जज जस्टिस यशवंत वर्मा को हटाने के लिए मोदी सरकार ने संसद में महाभियोग प्रस्ताव लाने की तैयारी शुरु की है। इसके लिए लोकसभा सांसदों के साइन जुटाए जा रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, कई सांसदों से महाभियोग के प्रस्ताव पर दस्तखत लिए जा चुके हैं। इससे साफ हैं कि प्रस्ताव लोकसभा में लाया जा सकता है। लोकसभा में महाभियोग प्रस्ताव लाने के लिए कम से कम 100 सांसदों के हस्ताक्षर जरुरी होते हैं। वहीं, राज्यसभा में यह संख्या 50 होती है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू पहले ही बता चुके हैं कि जस्टिस वर्मा को हटाने का प्रस्ताव मानसून सत्र में लाया जाएगा। जस्टिस वर्मा के लुटियंस दिल्ली स्थित आधिकारिक आवास के स्टोर रूम में 14 मार्च की रात आग लगी थी।

दिल्ली में चार मंजिला इमारत भरभराकर गिरी, 12 लोग दबे

नई दिल्ली : भारी बारिश और बादलों की गड़गड़ाहट के बीच दिल्ली में दर्दनाक हादसा हो गया है। नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली के वेलकम इलाके में चार मंजिला इमारत ढह गई। इस इमारत के मलबे में 12 लोग फंसे हुए हैं। लोगों को बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। फायर विभाग की 7 टीमें रेस्क्यू में लगी हुई हैं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। घटना की जानकारी देते हुए फायर विभाग ने बताया कि सीलमपुर के ईदगाह रोड इलाके में शनिवार सुबह यह हादसा हुआ है। इस हादसे में घर में मौजूद करीब 12 लोग फंस गए। इनमें से 3 को निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया है।

ईडी ने गुरुग्राम स्थित रामप्रस्थ समूह की 681.54 करोड़ की संपत्ति जब्त की

नई दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हरियाणा के गुरुग्राम स्थित रियल एस्टेट कंपनी रामप्रस्थ प्रमोटर्स एंड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड (आरपीडीपीएल) और इसकी समूह की कंपनियों की लगभग 681.54 करोड़ रुपये की प्रॉपर्टी को अस्थायी रूप से जब्त किया है। केंद्रीय जांच एजेंसी की गुरुग्राम जोनल कार्यालय ने धनशोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) के तहत यह कार्रवाई की है। केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने शनिवार को जारी बयान में बताया कि गुरुग्राम क्षेत्रीय कार्यालय की टीम ने विभिन्न परियोजनाओं में कई घर खरीदारों के साथ धोखाधड़ी के एक मामले में धनशोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत मेसर्स रामप्रस्थ प्रमोटर्स एंड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड और उसकी समूह कंपनियों की 681.54 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियां अस्थायी रूप से जब्त की है।

निजी क्षेत्र में रोजगार के नए अवसरों के निर्माण पर भी सरकार का जोर : मोदी

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार का जोर निजी क्षेत्र में रोजगार के नए अवसरों के निर्माण पर भी है। सरकार ने हाल ही में एक नई योजना ''एम्प्लॉयमेंट लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम' को मंजूरी दी है। इसके तहत सरकार निजी क्षेत्र में पहली बार रोजगार पाने वाले युवाओं को 15,000 रुपये की सहायता देगी। इसके लिए एक लाख करोड़ रुपये का बजट तय किया गया है। इसके माध्यम से लगभग 3.5 करोड़ नए रोजगार सृजित होने की उम्मीद है।

प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 'रोजगार मेला' में 51,000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इन युवाओं को सरकार के विभिन्न विभागों और संगठनों में नियुक्त किया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह दिन युवाओं के लिए नई जिम्मेदारियों की शुरुआत है। उन्होंने 'नागरिक प्रथम' के सिद्धांत को दोहराते हुए सभी नव-नियुक्त कर्मचारियों को राष्ट्र सेवा का

संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि युवाओं को नियुक्ति पत्र देने का अभियान लगातार जारी है और बिना पर्ची बिना खर्ची के नौकरी हमारी पहचान भी है।

प्रधानमंत्री ने अपनी पांच देशों की हालिया यात्रा का उल्लेख कर कहा कि हमने अन्य देशों के साथ जो भी समझौते किए हैं, उनसे हमारे युवाओं को निश्चित रूप से लाभ होगा। आज दुनिया मान रही है कि भारत के पास दो असीमित शक्तियां हैं। एक डेमोग्राफी और दूसरी डेमोक्रेसी यानी सबसे बड़ी युवा आबादी और सबसे बड़ा लोकतंत्र।

उन्होंने बताया कि देश में मेक इन इंडिया और पीएलआई स्कीम के माध्यम से 11 लाख से अधिक रोजगार पैदा हुए हैं। मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण क्षेत्र में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है, जिससे लाखों युवाओं को रोजगार मिला है। रक्षा उत्पादन, रेलवे निर्माण और ऑटोमोबाइल क्षेत्र में भी जबरदस्त प्रगति दर्ज की गई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, उज्ज्वला योजना, पीएम सूर्य घर योजना और नमो ड्रोन दीदी जैसी योजनाओं ने ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा किया है। पिछले 10 वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं, जो सरकार की रोजगारोन्मुख योजनाओं का प्रमाण है। विभिन्न योजनाओं के जरिए महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त किया गया है। लखपति दीदी मिशन के अंतर्गत अब तक 1.5 करोड़ महिलाएं इस लक्ष्य को प्राप्त कर चुकी हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह समय विकास का महायज्ञ है। उन्होंने सभी युवाओं से आह्वान किया कि वे राष्ट्र निर्माण के इस कार्य में पूरी निष्ठा से योगदान दें। उन्होंने सभी नव-नियुक्त कर्मचारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि "नागरिक देवो भव" की भावना के साथ सेवा करें।

14 को शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष से करेंगे वापसी

नासा करेगा सीधा प्रसारण

- यह ड्रैगन यान सुबह कैलिफोर्निया तट के पास सागर में करेगा लैंड

एजेंसी, नई दिल्ली

नासा ने घोषणा की है कि वह अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से एक्सियम मिशन-4 के वहां से धरती पर वापस आने का सीधा प्रसारण करेगा। यह मिशन एक निजी अंतरिक्ष यात्री मिशन है, जिसमें भारत के शुभांशु शुक्ला समेत चार अंतरिक्ष यात्री भी शामिल हैं। एक्सियम मिशन-4 की वापसी 14 जुलाई को सुबह 7:05 बजे अंतरिक्ष स्टेशन के हॉर्मनी मॉड्यूल के स्पेस-फेसिंग पोर्ट से स्पेसएक्स ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट के जरिए हो सकती है। धरती में प्रवेश के बाद यह यान कैलिफोर्निया तट के पास सागर में लैंड करेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नासा की कवरेज सुबह 4:30 बजे हैच क्लोजिंग के साथ शुरू होगी और इसे नासा समेत कई सोशल मीडिया और स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर देखा जा सकेगा। 4:55 बजे चालक दल ड्रैगन यान में प्रवेश करेगा और हैच बंद की जाएगी। इसके बाद 6:45 बजे अंडॉकिंग कवरेज शुरू होगी और 7:05 बजे यान अंतरिक्ष स्टेशन से अलग होगा। प्रसारण यान के अलग होने के 30 मिनट बाद तक जारी रहेगी, जिसके बाद एक्सिओम स्पेस अपने प्लेटफॉर्म पर ड्रैगन की धरती पर वापसी और स्प्लैशडाउन का प्रसारण करेगा। इस मिशन में शामिल अंतरिक्ष यात्रियों में पूर्व नासा अंतरिक्ष यात्री और एक्सिओम स्पेस में मानव अंतरिक्ष उड़ान की निदेशक पेगी व्हिटसन, इसरो के अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला, पोलैंड के ईएसए प्रोजेक्ट अंतरिक्ष यात्री स्लावोस उजनांस्की-विसनेव्स्की और हंगरी के हुनोर अंतरिक्ष कार्यक्रम से टिबोर कपू शामिल हैं।

झारखंड में खेल और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए करेंगे काम : धोनी

एजेंसी, रांची

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने कहा है कि वे झारखंड में खेल और पर्यटन के क्षेत्र में विकास को गति देने में राज्य सरकार के साथ मिलकर काम करेंगे।

धोनी ने यह बातें शनिवार को नगर विकास, पर्यटन, कला-संस्कृति और खेलकूद मंत्री सुदिव्य कुमार से शिष्टाचार भेंट के दौरान कही। इस मुलाकात के दौरान मंत्री और धौनी के बीच झारखंड राज्य में खेल एवं पर्यटन गतिविधियों के व्यापक विकास को लेकर चर्चा हुई। बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि कैसे धोनी के अनुभव से

राज्य में खेल और पर्यटन को नई दिशा और ऊंचाइयां दी जा सकती हैं। इस दौरान मंत्री ने कहा की राज्य सरकार धोनी के सहयोग को लेकर आश्वस्त है और उनके सहयोग से झारखंड को एक प्रमुख खेल और पर्यटन स्थल बनाने की दिशा में कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का विश्वास है कि धोनी के सहयोग से झारखंड के खेल और पर्यटन को वैश्विक मानचित्र पर नई पहचान मिलेगी। इस अवसर पर जेएससीए के अध्यक्ष अजयनाथ शाहदेव भी मौजूद थे।

1.18 करोड़ के इनामी 23 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी, सुकमा

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में पुलिस और प्रशासन को आज नक्सल उन्मूलन अभियान में बड़ी कामयाबी मिली है। कुल 1 करोड़ 18 लाख रुपये के इनामी 23 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा से जुड़ने का फैसला लिया है। आत्मसमर्पण करने वालों में कई कुख्यात हार्डकोर नक्सली भी शामिल हैं, जो वर्षों से सुरक्षा बलों के लिए चुनौती बने हुए थे। पुलिस के मुताबिक, आत्मसमर्पित नक्सलियों में 1 डीवीसीएम (डिविजनल कमेटी सदस्य), 6 पीपीसीएम (प्रोटेक्शन प्लाटून कमांडर), 4 एसीएम (एरिया कमेटी

मेंबर) और 12 सक्रिय पार्टी सदस्य शामिल हैं। आत्मसमर्पण करने वालों में 9 महिलाएं और 14 पुरुष शामिल हैं, जिनमें तीन नक्सली दंपत्ति भी हैं। बताया गया है कि आत्मसमर्पित नक्सली राज्य सरकार की छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति और नियद नेल्ला नार योजना से प्रभावित हुए हैं।

महागठबंधन समन्वय समिति की बैठक में तेजस्वी के चेहरे पर विस चुनाव लड़ने पर बनी सहमति

एजेंसी, पटना

राजधानी पटना में शनिवार को महागठबंधन समन्वय समिति की बैठक में तेजस्वी यादव के चेहरे पर विधानसभा (विस) चुनाव लड़ने पर सहमति बनी। बिहार विधानसभा नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के पोलो रोड स्थित आवास पर आज दोपहर बाद हुई महागठबंधन समन्वय समिति की बैठक करीब चार घंटे तक चली। इस बैठक में सभी पार्टियों ने तेजस्वी यादव के चेहरे पर ही चुनाव लड़ने पर सहमति जतायी। राजद की ओर से बैठक होने के बाद कहा गया कि तेजस्वी यादव के चेहरे पर गठबंधन में कोई संशय नहीं है, उन्हें मुख्यमंत्री का चेहरा मानने पर सभी (घटक दल) संतुष्ट हैं।

राजद प्रवक्ता शक्ति यादव ने बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में बताया कि नीतीश सरकार के पास कोई विजन नहीं है। उन्होंने कहा कि सत्ताधारी गठबंधन में जिसको जो सीट मिल जाए, वही सीट ले लेगा। मगर महागठबंधन में आंतरिक लोकतंत्र है। सभी को सम्मानजनक सीटें दी जाएंगी। इससे पहले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की अध्यक्षता आईएनडीआई गठबंधन की बैठक में पहले समन्वय समिति की मीटिंग हुई, इसके बाद सभी उपसमितियों की बैठक हुई। करीब 4 घंटे तक चली इन बैठकों में गठबंधन के नेताओं ने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव की रणनीति पर गहनता से चर्चा की। उप समिति ने समन्वय समिति के सदस्यों को अपनी रिपोर्ट पेश की। बैठक में यह तय किया गया कि चुनाव आयोग के मतदाता गहन पुनरीक्षण के मुद्दे पर महागठबंधन गांव-गांव जाएगा। राजद सांसद अभय कुशवाहा ने कहा कि मतदाता पुनरीक्षण के मसले पर हम एकजुट हैं। सरकार में बैठे लोग अपनी सीट शेयरिंग की चिंता करें। महागठबंधन में सीट और चेहरा को लेकर कोई संशय नहीं है। उन्होंने बिहार में अपराध की घटनाएं बढ़ने का दावा करते हुए नीतीश सरकार पर सवाल भी उठाए।

एयर इंडिया विमान हादसे की जांच रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासे

एएआईबी ने अहमदाबाद एयर इंडिया B787-8 विमान हादसे पर प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की

एजेंसी, नई दिल्ली

विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने अहमदाबाद से लंदन जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-171 का बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान हादसे पर 15 पन्नों की प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। एएआईबी की प्रारंभिक रिपोर्ट के मुताबिक, जेट ईंधन स्विच हवा में 1 सेकंड के अंतराल पर बंद हो गए और एक पायलट को यह कहते हुए सुना गया कि "मैंने ईंधन बंद नहीं किया।" अहमदाबाद से लंदन जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-171 अहमदाबाद में 12 जून को

भीषण दुर्घटना का शिकार हो गई। हादसा इतना भयावह था कि कुछ ही सकेंड में लोगों की जान चली गई। मृतकों में 229 यात्री, 12 क्रू सदस्य और 19 जमीन पर मौजूद लोग शामिल थे। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट आने के बाद एयरलाइन ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में लिखा है, एयर इंडिया एआई-171 हादसे से प्रभावित परिवारों और अन्य लोगों के साथ एकजुटता से खड़ी है। हम इस क्षति पर शोक व्यक्त करते हैं, इस कठिन समय में सहायता प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। हमें एएआईबी द्वारा आज, 12 जुलाई, 2025 को जारी प्रारंभिक रिपोर्ट प्राप्त होने की सूचना है। एयर इंडिया नियामकों सहित हितधारकों के साथ मिलकर काम कर रही है। हम एएआईबी और अन्य प्राधिकारियों के साथ उनकी जांच में पूर्ण सहयोग जारी रखेंगे। इस जांच की सक्रिय प्रकृति को देखते हुए, हम विशिष्ट विवरणों पर टिप्पणी करने में असमर्थ हैं और ऐसी सभी पूछताछ एएआईबी को भेज रहे हैं। एएआईबी ने इस हादसे पर 15 पन्नों की प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें कई सारे चौकाने वाले खुलासे हुए हैं। ऐसे में शुरुआत से लेकर अबतक इस विमान हादसे में क्या-क्या हुआ एक नजर डालते हैं। 12 जून को टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया का करीब 12 साल पुराना बोइंग 787-8 विमान वीटी-एएनबी, उड़ान भरने के कुछ ही देर के बाद गुजरात के अहमदाबाद में बीजे मेडिकल कॉलेज के आवासीय परिसर पर गिरकर हादसे का शिकार हो गया। ये विमान अहमदाबाद से लंदन जा रहा था। इस विमान में चालक दल के 12 सदस्यों समेत कुल 242 लोग सवार थे। हादसे में केवल एक यात्री बच पाया। विमान दुर्घटना में यात्रियों और चालक दल के सदस्यों के अलावा भी कई लोगों की जानें गईं।

संक्षिप्त समाचार

पुणे से 40 चक्के वाले ट्रक पर आ रहे कोच, 34 दिन बाद दौड़ेगी मेट्रो

पटना। पटना में 15 अगस्त से मेट्रो दौड़ने लगेगी। मेट्रो की बोगियां पुणे से 40 चक्के वाले ट्रक से पटना के लिए रवाना की गई हैं। इन बोगियों को पटना आने में 10 दिन का वक्त लगेगा। इन बोगियों की तस्वीर सामने आई है। इन बोगियों को 3 बड़े ट्रकों पर लादकर रवाना किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, यह ट्रेन सेट अगले 8 से 10 दिनों के अंदर पटना डिपो पहुंच जाएंगे। यहां वहां पहुंचने के बाद तकनीकी विशेषज्ञों की टीम इसका एसेम्बलिंग काम शुरू करेगी। ट्रेन सेट के पार्ट्स को जोड़ने और फिट करने की प्रक्रिया में लगभग 10 दिन का समय लगेगा। इसके बाद ट्रेन सेट को ट्रायल के लिए ट्रैक पर उतारा जाएगा। पटना मेट्रो के प्रायोरिटी कॉरिडोर में मेट्रो स्टेशन, मेट्रो ट्रैक और ट्रैक पर बिजली के पोल के इंस्टॉलेशन का काम अब अपने आखिरी चरण में है। सरकार का दावा है कि 15 अगस्त तक मेट्रो शुरू हो जाएगी। यानी सब कुछ सही रहा तो अगले 34 दिन के भीतर पटना मेट्रो ट्रैक पर दौड़ेगी।

पहले पाटलिपुत्र बस स्टैंड से मलाही पकड़ी के बीच चलेगी मेट्रोः सबसे पहले प्रायोरिटी कॉरिडोर (ISBT से मलाही पकड़ी) पर मेट्रो चलाने की तैयारी है। यही कारण है कि पूरा फोकस पाटलिपुत्र बस स्टैंड से मलाही पकड़ी के बीच बन रहे इस कॉरिडोर पर है। इसमें 6 किलोमीटर की दूरी के बीच 5 स्टेशन बनाए जा रहे हैं। सभी स्टेशन एलिवेटेड हैं। इनमें सिविल का काम लगभग 90 फीसदी से ज्यादा पूरा कर लिया गया है। फिनिशिंग का काम तेजी से चल रहा है। बिजली के खंभे इंस्टॉल कर दिए गए हैं। ट्रैक को तैयार कर पटरियां बिछा दी गई हैं।

फिजिकल रिलेशन बनाने के दौरान गर्लफ्रेंड की मौत, जहानाबाद से पटना बुलाया

पटना। पटना में फिजिकल रिलेशन बनाने के दौरान एक लड़की की मौत हो गई। शनिवार को ये मामला सामने आया है। लड़की और लड़का दोनों नाबालिग हैं। लड़के की उम्र 17 साल है। लड़की जहानाबाद की रहने वाली है, वो अपने बॉयफ्रेंड के बुलाने पर पटना आई थी। लड़का उसे अपने एक दोस्त के घर ले गया। वहां वो उसके साथ फिजिकल रिलेशन बनाने लगा। इसी दौरान लड़की को ब्लीडिंग शुरू हो गई। लड़का उसे लेकर अस्पताल पहुंचा। डॉक्टर ने बताया कि उसकी मौत हो चुकी है। शनिवार को लड़की का शव पोस्टमॉर्टम के लिए PMCH लाया गया। पुलिस ने लड़के को हिरासत में लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है।

पहले से प्लान था कि दोस्त के रूम पर चलेंगेः पुलिस की पूछताछ में नाबालिग लड़के ने बताया- '10 दिन पहले जहानाबाद रेलवे स्टेशन पर लड़की से मुलाकात हुई थी। इसी दौरान हम दोनों ने एक दूसरे से मोबाइल नंबर लिया। हमारी बातचीत शुरू हुई। हम एक-दूसरे को पसंद करने लगे थे।' 'गुरुवार को हम दोनों ने मिलने का प्लान बनाया। हम दोनों एक-दूसरे के साथ फिजिकल रिलेशन बनाना चाहते थे। वो भी उसके लिए तैयारी थी।' 'शुक्रवार को मैंने उसे मिलने के लिए जहानाबाद से पटना बुलाया था। मैं अपने घर मसौढ़ी से पटना जंक्शन पहुंचा। वो आई इसके बाद हम रेलवे स्टेशन के बाहर एक चाय की दुकान पर रुके।' 'इसके बाद मैंने अपने एक दोस्त को कॉल किया। मैंने कहा कि हम दोनों तुम्हारे रूम पर आ रहे हैं। उसने एड्रेस भेजा। इसके बाद हम जक्कनपुर थाने के करबिगहिया पहुंच गए।' 'दोस्त मुझे कहा कि तुरंत अस्पताल लेकर चलना चाहिए। इसके बाद मैं उसे एक प्राइवेट नर्सिंग होम पहुंचा। डॉक्टर ने PMCH रेफर कर दिया। PMCH पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो चुकी थी।' लड़की के दादा ने बताया- 'उसके पिता बढ़ई मिस्त्री हैं। लड़की ने 5वीं तक पढ़ाई की थी। इसके बाद उसने स्कूल जाना छोड़ दिया था। शुक्रवार की सुबह 8 बजे वो घर से कहकर निकली थी कि पापा के पास जहानाबाद जा रही हूं। वो पटना कैसे पहुंची, मुझे नहीं पता। जो लड़का पकड़ा गया है, उसके बारे में भी कोई जानकारी पहले से नहीं थी।'

चिराग को बम से उड़ाने की मिली धमकी, लोजपा सांसद ने कहा- आरजेडी के लोग दे रहे धमकी

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद चिराग पासवान को सोशल मीडिया पर बम से उड़ाने और हत्या करने की खुली धमकी दी गई है। यह धमकी इंस्टाग्राम पर "tiger_meraj_idrisi" नामक अकाउंट से दी गई। इसके बाद गुरुवार की देर रात पार्टी के मुख्य प्रवक्ता ने साइबर थाना में इसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। प्रशासन और साइबर सेल की ओर से मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

राजद के लोग दे रहे धमकीः इसके बाद लोजपा से सांसद अरुण भारती ने आज पोस्ट कर राज्य सरकार से चिराग पासवान की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है। उन्होंने लिखा है कि अप्रत्याशित हार के डर से राजद के आपराधिक तत्व जो बिहार में जंगलराज 2.0 लाना चाहते हैं, बौखलाहट में अब चिराग पासवान को सोशल मीडिया पर बम से उड़ाने की धमकियां देने लगे हैं।"

योनो ऐप से साइबर ठगी कर रहे हैं शातिर, फेसबुक पर सस्ते लोन का ऐड देखकर फंसे लोग

पटना। SBI योनो ऐप के जरिए लोगों के साथ ठगी हो रही है। सस्ते लोन दिलाने का झांसा देकर लोगों को इसमें फंसा रहे हैं। अब तक 20 से अधिक मामले सामने आए हैं। इसमें अधिकतर फंसने वाले लोग साउथ इंडियन हैं। एक साउथ इंडियन पीड़ित ने इसकी शिकायत ऑनलाइन की थी। पीड़ित का आरोप था कि सस्ते लोन दिलाने के नाम पर ठगी कर ली गई। रजिस्ट्रेशन के लिए लिंक भेजा गया। प्रोसेस पूरा करने के बाद डॉक्यूमेंट सबमिट किया। लोगों की ओर से OTP पूछा गया। खाते से रुपए अपने आप कट गए। पुलिस ने जांच शुरू की तो ठगों की लोकेशन पटना मिली। इस गैंग का नेटवर्क नालंदा और कतरी सराय से भी जुड़ रहा है। पुलिस को आशंका है कि और भी इस तरह के गैंग पटना में एक्टिव हो सकते हैं। साइबर DSP नीतीश चंद्र धारिया के नेतृत्व में SIT का गठन किया गया है। इसमें बड़ा खुलासा हुआ है। इस ठगी में संलिप्त दो लोगों को पटना के राजेंद्र नगर इलाके से पकड़ा गया है। एक का नाम अमित कुमार (25), दूसरे का नाम राहुल कुमार (22) है। जबकि, इनके दो अन्य सहयोगी फिलहाल फरार हैं। दोनों पिछले करीब तीन सालों से अपने अन्य साथियों के साथ इस ठगी की घटना को अंजाम दे रहे थे। अब तक 15 लोगों से करोड़ों की ठगी इन लोगों ने की है। इसमें अधिकतर साउथ इंडियन लोग हैं। पुलिस ठगी की राशि का आकलन कर रही है। पुलिस की पूछताछ में इन साइबर ठगों ने बताया है कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के नाम पर राजेंद्र नगर में रूम लिए थे। घटना को अंजाम देने के लिए सोशल साइट, पेम्पलेटस और दीवारों पर SBI योनो के जरिए सस्ते लोन के पोस्टर चिपकाते थे। उस पर पूरा प्लान होता था। संपर्क करने के लिए हेल्प लाइन नंबर भी जारी किया था। जिससे लोग आसानी से झांसे में आ जाते थे।

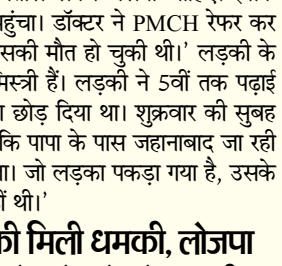

पटना में नहर में गिरी कार मां-बेटी, सास की मौत

पिता और बेटी को किया रेस्क्यू, पानी में गिरने के बाद नहीं खोल पाए गेट

एजेंसी, पटना

पटना के सरैया गांव के पास शनिवार को एक कार सोन कैनाल नहर में गिर गई। हादसे में गाड़ी की पिछली सीट पर बैठे परिवार के 3 लोगों की मौत हो गई। गाड़ी की फ्रंट सीट पर बैठे 2 को आसपास के लोगों ने रेस्क्यू किया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। JCB की मदद से कार को नहर से बाहर निकाला गया। बताया जा रहा है कि ड्राइवर को झपकी लगने से कार नहर में जा गिरी। हादसे में मां, बेटी और सास की मौत हो गई। पिता और बेटी को लोगों ने रेस्क्यू कर लिया। मृतकों की पहचान निर्मला देवी (52), नीतू सिंह (36), अस्तितु कुमारी (10) के रूप में हुई है। सभी लोग वैशाली जिले के महुआ के करिहो गांव के रहने वाले हैं। घायलों में नंदन सिंह और रिद्धि सिंह हैं। दोनों का इलाज चल रहा है।

कार के चारों गेट लॉक थे, 2 जिंदा मिलेः सभी कार से छत्तीसगढ़ से वैशाली के हाजीपुर जा रहे थे। घर में किसी की शादी की सालगिरह में शामिल होना था। फिलहाल तीनों शव को पोस्टमॉर्टम के लिए पटना एम्स भेज दिया गया है। आसपास के लोगों ने बताया- 'सोन कैनाल नहर काफी गहरी। इन दिनों उसमें पानी भी बढ़ गया है। नहर का लेवल अभी सड़क से सिर्फ 3 फीट नीचे है। सिंगल रोड है। इस सड़क पर केवल छोटी गाड़ी ही चलती है। ये रास्ता अरवल बस स्टैंड से होते हुए कनपा पुल तक आता है।' लोगों की माने तो कार जीतन छपरा के आसपास डूबी थी और वह बहते हुए सरैया गांव के पास पहुंची। गाड़ी के चारों गेट बंद थे। सुबह का समय था, इसलिए कुछ लोगों ने गाड़ी को बहते देखा। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। JCB की मदद से कार को पानी से निकाला गया। गेट को खोला तो आगे बैठे 2 लोग जिंदा थे। गाड़ी की पिछली सीट पर 3 लाशें थीं।

पुलिस ने JCB से कार को बाहर निकालाः घटना को लेकर थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार ने बताया- 'सुबह पुलिस को सूचना मिली कि सरैया गांव के पास एक कार नहर में पलट गई है। इसके बाद पुलिस की टीम, स्थानीय लोगों और JCB की मदद से कार को नहर से बाहर निकाला गया।'

'अपने ही गठबंधन पर सीधा हमला कर रहे चिराग'

एजेंसी, पटना

♦ राजनीतिक जानकार ने बताई वजह, केंद्रीय मंत्री ने पोस्ट कर बिहार पुलिस को घेरा, यूजर्स ने किया समर्थन

बिहार में बढ़ती आपराधिक घटनाओं को लेकर अब केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के अध्यक्ष चिराग पासवान ने खुलकर मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए सवाल खड़ा किया कि 'बिहारी अब और कितनी हत्याओं की भेंट चढ़ेंगे?' केंद्रीय मंत्री चिराग ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए लिखा, 'समझ से परे है कि बिहार पुलिस की जिम्मेदारी क्या है'? 'रोजाना हो रही हत्या की घटनाएं इस बात का प्रमाण है कि अपराधियों में कानून का कोई भय नहीं बचा है'। चिराग के इस पोस्ट पर लोगों की तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कई यूजर्स ने उनका समर्थन करते हुए कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। कुछ ने सवाल उठाया कि बतौर केंद्रीय मंत्री वह खुद क्या पहल कर रहे हैं। चिराग पासवान का यह बयान न केवल जनता की चिंता को राजनीतिक मंच पर आवाज देने की कोशिश है, बल्कि यह एनडीए के अंदर एक दबाव बनाने वाली राजनीति का संकेत भी है। अब देखना होगा कि राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन इस तीखे सवालों का क्या जवाब देता है।

चिराग के सवाल के टाइमिंग चर्चे मेंः चिराग पासवान का यह बयान ऐसे वक्त में आया है जब राज्य के अलग-अलग जिलों से हत्या, लूट और अपहरण जैसी गंभीर घटनाओं की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। केंद्रीय मंत्री ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश की जनता भय के माहौल में जी रही है और पुलिस सिर्फ कागजी कार्रवाई में व्यस्त है। चिराग के बयान की टाइमिंग चर्चा का विषय बन गया है। जहां सहयोगी दल सरकार के बचाव में उतरी हुई है वहीं चिराग सरकार पर सवाल खड़े कर रहे है।

तेजस्वी के आवास पर चल रही महागठबंधन की बैठक

एजेंसी, पटना

♦ शक्ति यादव बोले- तेजस्वी की सभी योजना कॉपी कर रही सरकार, अल्लावरू बोले- सीट फॉर्मूले पर चर्चा

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के आवास पर महागठबंधन की बैठक चल रही है। अलग-अलग कमेटियां अपनी अपनी रिपोर्ट पेश कर रही हैं। कोऑर्डिनेशन कमेटी के सदस्यों के साथ सभी कमेटियां चर्चा कर रही हैं। मैनिफेस्टो कमेटी की बैठक खत्म हो गई है। गठबंधन का मेनिफेस्टो लगभग तैयार है।

दलों ने रखी अपनी बातेंः सभी दलों ने अपनी अपनी बातें और मैनिफेस्टो को कोऑर्डिनेशन के सामने रखा है। जल्द गठबंधन का संयुक्त मैनिफेस्टो जारी किया जाएगा। गठबंधन के मेनिफेस्टो में बड़ी घोषणाएं होंगी। युवा, महिलाओं, रोजगार, नौकरी और उद्योग को लेकर बड़ी घोषणाएं जल्द की जाएगी। चुनाव प्रचार कमेटी की बैठक भी खत्म हो गई है। विधानसभा चुनाव में कैसे धारदार प्रचार हो, इसे लेकर रणनीति बनाई गई है। बूथ स्तर पर गठबंधन के सभी दल मिलकर प्रचार करेंगे। हर बूथ पर गठबंधन के बैनर पोस्टर लगेंगे। आरजेडी प्रवक्ता शक्ति यादव ने बैठक से निकलकर कहा,'सभी कमेटियां कोऑर्डिनेशन के साथ बैठकर चर्चा हुई है। बिहार सरकार कट पेस्ट वाली सरकार बन गई है। जो तेजस्वी घोषणा कर रहे, वह सरकार लागू करने पर मजबूर हो रही।

उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने माना बिहार पुलिस-प्रशासन है कमजोर

कहा- बिहार में बालू-शराब माफिया कर रहे क्राइम, ये राजद से जुड़े हैं, यह चुनाव से पहले की साजिश

एजेंसी, पटना

उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने बिहार में बढ़ते अपराध को लेकर विपक्ष पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने राजद पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश में हाल के दिनों में जो हत्या, लूट और अपराध की घटनाएं बढ़ी हैं, उसके पीछे बालू और शराब माफियाओं का हाथ है, जो सीधे तौर पर RJD से जुड़े हुए हैं। आगे कहा कि यह पूरी साजिश चुनाव को देखते हुए रची जा रही है। ताकि राज्य में अराजकता फैलाई जा सके। इन लोगों को यह समझ लेना चाहिए कि बिहार में नीतीश कुमार की सरकार है, जो हर हाल में कानून का राज स्थापित रखने को प्रतिबद्ध है।

बिहार के आपराधिक स्थिति की जिम्मेदार राजदः विजय सिन्हा ने आरोप लगाया कि पुलिस-प्रशासन की कुछ कमजोर कड़ियों का फायदा उठाकर माफिया तत्व सक्रिय हो रहे हैं, लेकिन सरकार इसे बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि जिन लोगों ने बिहार को जंगलराज दिया था, वही आज फिर से अपराधियों को उकसा रहे हैं। 'आज बिहार में जो आपराधिक स्थिति है, उसके लिए RJD जिम्मेदार है'। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बिहार का गौरव बताते हुए कहा कि बिहार के बेटे नीतीश कुमार की अगुआई में राज्य विकास और कानून-व्यवस्था दोनों क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है।

सत्येन्द्र नारायण सिन्हा की जयंती पर जुटे सभी बड़े नेताः बता दें कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री सत्येन्द्र नारायण सिन्हा की जयंती के अवसर पर आज पटना के श्रीकृष्णापुरी स्थित स्व. सिन्हा पार्क में एक राजकीय समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी व विजय सिन्हा और विधानसभा अध्यक्ष सहित तमाम नेताओं ने सत्येन्द्र नारायण सिन्हा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचे थे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर विजय सिन्हा ने कहा कि राहुल गांधी ब्रेन लेस हैं। उनके पास अपना ब्रेन है ही नहीं। संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति एक संवैधानिक संस्था के बारे में इस तरह का बयान दे ही नहीं सकता। वह संवैधानिक पद पर बैठकर संवैधानिक संस्था पर प्रश्न उठते हैं। सुप्रीम कोर्ट भी कह चुका है कि संवैधानिक संस्था पर हम प्रश्न नहीं उठा सकते। उसके बाद भी इस व्यक्ति को अकल और बुद्धि नहीं आया। न्यायालय के आदेश के बाद भी चुनाव आयोग पर प्रश्न उठा रहे हैं इसलिए इस व्यक्ति को संवैधानिक पद छोड़ना चाहिए और माफी मांगना चाहिए। यह अप्पू और पप्पू दोनों समाज को भ्रमित करने का और संविधान को अपमान कर भ्रम फैला रहे हैं।

'बिहार को एनडीए ने बनाया क्राइम कैपिटल ऑफ इंडिया'

एजेंसी, पटना

♦ अखिलेश सिंह बोले- पटना में 6 माह में 116 से ज्यादा हत्या हुई, चुनाव आयोग को भी घेरा

बिहार कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने बिहार को क्राइम कैपिटल कहते हुए विपक्ष को घेरा है। उन्होंने कहा कि बिहार को NDA वालों ने क्राइम कैपिटल ऑफ़ इंडिया बना दिया है। बिहार आज जिस स्थिति से गुजर रहा है, उसमें हम, आप और सभी लोग भगवान की तरफ देखते हैं। भगवान भरोसे बिहारवासी है। पटना में अकेले इस साल 116 से ज्यादा हत्याएं हुई है।

पूरे देश में मोदी जी मेरी आधार, मेरी पहचान नारा दिया थाः वहीं, चुनाव आयोग द्वारा वोटर लिस्ट रिवीजन में आधार कार्ड को मान्यता नहीं देने पर उन्होंने कहा कि एक तरफ पूरे देश में मोदी जी की सरकार ने कहा कि मेरी आधार, मेरी पहचान, और अब आप इस आधार को वैल्यू नहीं कर रहे हैं। यह काफी गलत है। हमारे नेता राहुल गांधी इसी वजह से बिहार आए थे और सड़क पर उतरे थे। उन्होंने विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया ताकि किसी को वोटिंग राइट से वंचित नहीं किया जा सके। इलेक्शन कमिशन की बातों को अपनी पार्टी के साथ मैंने भी उठाया था। इलेक्शन कमीशन से हमने कहा था कि वेरिफिकेशन के डॉक्यूमेंट में आधार कार्ड, वोटर आईडी कार्ड, राशन कार्ड को रखिए। एक सुझाव के तौर पर सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्शन कमीशन को यह बातें कही है। हम लोग को भरोसा है जो आगे 28 की डेट है। उसमें निश्चित रूप से लोगों को राहत मिलेगी।

बिहार के 60% निवासी बाढ़ में डूबे रहते हैंः इस तरह के रिवीजन का काम 2003 में किया गया था, वो भी दिवंगत अटल बिहारी वाजपेई जी के नेतृत्व में। तब 1 साल बाद लोकसभा का चुनाव और 2 साल बाद विधानसभा का चुनाव था। तब उस समय यह बातें समझी जा सकती थी। बिहार के 60% निवासी जो गंगा उस पर रहते हैं, वह बाढ़ में डूबे रहते हैं, एक जिला से दूसरे जिला जाने में कठिनाई होती है। अभी 25 दिन के अंदर ये करना पॉसिबल नहीं है। इलेक्शन कमीशन को इस बातों को सीरियसली लेना चाहिए और इस वोटर लिस्ट रिवीजन को टालना चाहिए।

पटना एयरपोर्ट को दूसरी बार उड़ाने की मिली धमकी

एजेंसी, पटना

पटना एयरपोर्ट को एक बार फिर से उड़ाने की धमकी मिली है। पिछले एक महीने में यह दूसरी घटना है। 11 जुलाई 2025 को रात 9:09 बजे एयरपोर्ट डायरेक्टर के आधिकारिक ईमेल आईडी पर pk_nawas@outlook.com से धमकी संबंधी मेल आया। इसमें बम से उड़ाने की बात कही गई थी। यह मेल रात 9:50 बजे डायरेक्टर ने देखा, इसके बाद एयरपोर्ट प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया।

आपात बैठक बुलाई गईः तत्काल स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बम से धमकी मूल्यांकन समिति (BTAC) की आपात बैठक रात 10:05 बजे पटना हवाई अड्डे के प्रशासनिक भवन स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में बुलाई गई। बैठक के बाद समिति ने रात 11:00 बजे इस धमकी को गैर-विशिष्ट (Non-Specific) करार दिया। सुरक्षा व्यवस्था के तहत एयरपोर्ट परिसर की गहन तलाशी ली गई। लेकिन, कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिला। फिलहाल एयरपोर्ट की सुरक्षा और निगरानी बढ़ा दी गई है। बीते 10 दिनों में यह दूसरी बार है, जब पटना एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। एयरपोर्ट थानेदार अमित कुमार ने बताया कि इंट्री एयरपोर्ट थाने में हुई है।

दिल्ली से लौटे युवक को अगवा कर मार डाला

सड़क किनारे गड्ढे में मिला शव, पुलिस को अफेयर का शक

एजेंसी, पटना

पटना जिले के बाढ़ थाना क्षेत्र में एक युवक की हत्या का मामला सामने आया है। बेढ़ना गांव के पास सड़क किनारे गड्ढे में युवक का शव बदतर स्थिति में मिला। मृतक की पहचान एकडंगा गांव निवासी राहुल कुमार (18) के रूप में हुई है।

गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्जः राहुल 7 तारीख से लापता था। परिजनों ने 8 तारीख को बेलछी थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। लापता होने से एक दिन पहले ही वह दिल्ली से गांव लौटा था। मृतक की भाभी रिंकू देवी के अनुसार, राहुल शनिवार को गांव पहुंचा था। रविवार को घर से कुछ दूरी पर कुछ लोगों ने उसका अपहरण कर लिया।

रेलवे फाटक के पास दिखा थाः गांव के ही एक व्यक्ति ने सोमवार की रात करीब 10 बजे युवक को बाढ़ रेलवे फाटक के पास देखा था। मिथुन कुमार ने बताया कि राहुल एक काम से लौटते समय गायब हुआ था। वह एकडंगा गांव से सीतापुर जा रहा था, जो मात्र 200 मीटर की दूरी पर है। एएसपी राकेश कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में एक लड़की से बातचीत का मामला सामने आया है। मोबाइल नंबर की जांच में शेखपुरा जिले का कनेक्शन मिला है। प्रथम दृष्टया यह हत्या का मामला लग रहा है। पुलिस साक्ष्य के आधार पर मामले में शामिल लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगी।

300 करोड़ में बन रहा एसडीआरएफ का नया मुख्यालय

♦ सीएम नीतीश ने साल भर पहले किया था शिलान्यास, 60% काम हुआ पूरा

एजेंसी, पटना

पटना के बिहटा में राज्य आपदा राहत प्रबंधन विभाग (SDRF) के नए निर्माणाधीन मुख्यालय भवन का मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा और भवन निर्माण विभाग के सचिव समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। SDRF के कमांडेंट राजेश कुमार ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। नीतीश कुमार ने भवन का विस्तृत निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वापसी में उन्होंने दानापुर-बिहटा एलिवेटेड रोड के निर्माण कार्य का भी जायजा लिया। 300 करोड़ की लागत से बन रहे इस भवन का 60 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। एक साल पहले मुख्यमंत्री ने स्वयं इस भवन का शिलान्यास किया था।

वे अब तक दो बार निरीक्षण कर चुके हैं। विभाग की योजना है कि बिहार विधानसभा चुनाव से पहले इस भवन का उद्घाटन किया जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्माण कार्य जल्द पूरा करने के निर्देश दिए हैं। वहीं निरीक्षण को लेकर राज्य आपदा राहत बल के कमांडेंट राजेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि आज प्रदेश के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार नए भवन का निरीक्षण किया और निर्माण कार्य को लेकर कई दिशा निर्देश भी दिया है।

बिहार सरकार के भवन निर्माण विभाग के तरफ से बना रहे इस नए भवन का निर्माण कार्ड लगभग 60 से 70% कार्य पूरा कर लिया गया है और इसी साल इसका उद्घाटन होना है जिसको लेकर लगातार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार संबंधित अधिकारियों से जानकारी भी ले रहे हैं। खुद निरीक्षण भी करने पहुंच रहे हैं। इसके उद्घाटन होने से राज्य आपदा प्रबंधन के तमाम जवानों को काफी सुविधा मिलेगा पहले सभी जवान को प्रशिक्षण दिलाने के लिए दूसरे राज्य में भेजा जाता था। संसाधन की कमी के कारण यह होता था। लेकिन इसके उद्घाटन होने से अब बिहटा में ही सब कुछ होगा। वैसे बिहार के 22 जिलों में हमारे जवान तैनात हैं और भवन भी है लेकिन मुख्यालय का भवन नहीं था। जिसके कारण काफी दिक्कत होती थी इस भवन में सभी सुविधा उपलब्ध रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण

बीएनएम, मोतिहारी/पीपराकोठी

थाना क्षेत्र के हरपुर स्थित शांति निकेतन पब्लिक स्कूल में शनिवार को बच्चों को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने के लिए एक पेड़ मां के नाम अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत शिक्षकों व छात्र-छात्राओं ने पौधरोपण किया। जिसमें छात्र-छात्राओं ने अपनी मां के नाम पर एक-एक पौधा लगाया तथा उसके संरक्षण का संकल्प लिया।।इस सम्बंध में विद्यालय के निदेशक शंभुशरण प्रसाद ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य छात्रों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है, तथा पर्यावरण को हरा-भरा बनाना और माताओं के प्रति सम्मान व्यक्त करना है। इस अभियान के तहत, छात्रों को न केवल पौधे लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, बल्कि उन्हें पेड़ बनने तक देखभाल की जिम्मेदारी दी जायेगी। मौके संयुक्त निदेशक अशोक, शिक्षक तपस्या सिंह, मदन सिंह, रमेश पांडेय, दामोदर सिंह, संजीत दास, शत्रुधन गिरी, रंजन सिंह, राम प्रकाश शर्मा, रौशन राज सिंह, मंजर एकबाल, मनीषा पाठक, बब्लू कुमार, अंकित कुमार, निकेश कुमार, नितेश कुमार, संगीता कुमारी, रीतु कुमारी, रूबी कुमारी, प्रियंका कुमारी, निहारिका कुमारी, पूजा कुमारी व रीचा कुमारी आदि मौजूद थे।

हर्ष फायरिंग करने वाला मुखिया पुत्र गिरफ्तार

बीएनएम, मोतिहारी

पुलिस ने हर्ष फायरिंग करने वाले मुखिया पुत्र को गिरफ्तार किया है।दरअसल मुखिया पुत्र का हर्ष फायरिंग करने वाला वीडियो कुछ दिन से वायरल था,जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शनिवार को आरोपी युवक गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक पिपरा थाना क्षेत्र के महुआवा पंचायत के मुखिया का बेटा कृष्णनंदन सहनी है। पिपरा थानाध्यक्ष अनुज कुमार सिंह ने बताया कि वायरल वीडियो में युवक को गोली लोड कर फायरिंग करते देखे जाने के बाद पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात को इसकी जानकारी दी गई,उनके निर्देश पर त्वतरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक कृष्णनंदन सहनी को गिरफ्तार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

विधानसभा चुनाव को लेकर बसपा ने की बैठक

बीएनएम, मोतिहारी/पीपराकोठी

थाना क्षेत्र के मठबनवारी चौक स्थित भारत गैस एजेंसी परिसर में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बहुजन समाज पार्टी द्वारा कार्यकताओं का एक बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पार्टी के जिलाध्यक्ष मथुरा राम ने किया। इससे पहले पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं ने परिसर में स्थापित डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। बैठक में पार्टी नेताओं द्वारा विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गयी। वही कल्याणपुर विधानसभा क्षेत्र से बसपा के भावी प्रत्याशी चांद बाबू को जिताने की रणनीति तैयार की गई। इस दौरान बसपा जिला प्रभारी विनय महाराज ने कहा कि कल्याणपुर विधानसभा मे संगठन बहुत ही मजबूत हो गया है, और सभी साथी विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए मजबूती से तैयार है। इसके लिए गांव-गांव संपर्क भी किया जा रहा है। कल्याणपुर विधानसभा के भावी प्रत्याशी चांद बाबू ने विधानसभा क्षेत्र की दुर्दशा को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि यहां के नेताओं और पदाधिकारियों ने मिलकर लूटा है। शोषित, दलित, वंचित व गरीब जनता के अधिकारों की रक्षा और उनके सशक्तिकरण के लिए बसपा प्रतिबद्ध है। वही अमेरिका राम ने कार्यकर्ताओं को अपने-अपने पंचायत की जनता के बीच जाकर मूलभूत समस्याओं को चिह्नित करने का निर्देश दिया, ताकि पार्टी चुनाव के दौरान उसे चुनावी एजेंडा में शामिल कर सके। मौके पर मो. तस्लीमुद्दीन, रविराज कुमार, अबुलैश शाह, किशोर राम, इनोतुल्लाह खान, वीरेंद्र राम, रमेश पासवान आदि मौजूद थे।

पीएम के स्वागत के लिए मोतिहारी के छात्र ने बनाया राममंदिर का मॉडल

प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर चंपारण के लोगों में दिख रहा उत्साह

बीएनएम, मोतिहारी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मोतिहारी आ रहे है तो मैं उनके स्वागत के लिए राम मंदिर का मॉडल बनाने में जुट गया। अनुराग का मानना है,कि अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण मोदी जी के कारण ही संभव हो सका है।ऐसे में उनके स्वागत के लिए इससे बेहतर उपहार कुछ और हो ही नहीं सकता।अनुराग ने बताया कि राम मंदिर के इस मॉडल को तैयार करने में 8 दिन का वक्त लगा और इस पर सिर्फ 200 रुपए खर्च हुए।अनुराग ने कहा कि उनका सपना है,कि वह प्रधानमंत्री मोदी को खुद यह मॉडल भेंट कर सकूँ । प्रधानमंत्री मोदी मेरे प्रेरणास्रोत है।मैं बड़ा होकर उनके जैसा देशभक्त और इमानदार नेता बनना चाहता हूं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 18 जुलाई को छठी बार मोतिहारी दौरे पर आ रहे हैं। इसे लेकर पूरे चंपारण के आम व खास में उत्साह व्याप्त है।मोतिहारी शहर की सुरक्षा बढा दी गई है,इसके साथ ही साफ सफाई को लेकर भी तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। लोगो में व्याप्त उत्सुकता और उत्साह को मोतिहारी के 7वीं के एक छात्र ने और बढा दिया है।

7वीं कक्षा में पढ़ने वाले अनुराग गुप्ता ने प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत में प्रभु श्रीराम के अयोध्या मंदिर का एक सुंदर मॉडल तैयार किया है,जिसे वह प्रधानमंत्री मोदी को भेट करना चाहता है।

अनुराग ने बताया कि राममंदिर का यह मॉडल घर में पड़े बेकार सामान और पुराने कार्टन बॉक्स से तैयार किया है। बचपन से ही मोदी का प्रशंसक रहे अनुराग ने बताया कि जैसे ही मुझे जानकारी मिली कि अनुराग के इस सपने को हकीकत बनाने के लिए उसके पिता ने मोतिहारी के सांसद राधामोहन सिंह से मुलाकात की और बेटे की ओर से सांसद से अपील कि वह प्रधानमंत्री को अपने बेटे द्धारा बनाये गये राम मंदिर मॉडल भेंट करने की अनुमति दिला दे।सांसद ने अनुराग के पिता को आश्वासत किया कि हम कोशिश करेंगे कि प्रधानमंत्री तक उसकी भावना पहुंचे।अनुराग के पिता ने डीएम सौरभ जोरवाल से भी मुलाकात कर लिखित आवेदन दिया। उन्होंने डीएम से बेटे की इस विशेष इच्छा को पूरा करने की गुहार लगाई।डीएम सौरभ जोरवाल ने भी मुलाकात कर प्रोटोकॉल संबंधी बाधाओं की जानकारी दी, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि छात्र की भावना सराहनीय है, हमारी कोशिश होगी बेस्ट टू वेल्थ का उदाहरण प्रस्तुत करने वाले छात्र अनुराग द्धारा बनाये गये राम मंदिर का मॉडल किसी तरह प्रधानमंत्री तक पहुंचे।

शराब कारोबारी को पकड़ने गई पुलिस टीम पर हमला

- 27 लीटर देशी शराब के साथ दो गिरफ्तार, बाइक जब्त

बीएनएम, मोतिहारी

जिले के संग्रामपुर थाना क्षेत्र में शराब कारोबारी को पकड़ने गई पुलिस टीम पर हमला करने का मामला सामने आया है। घटना थाना क्षेत्र इन्द्रगाछी गांव की बतायी गयी है। घटना में ग्रामीण पुलिस के सिर पर गंभीर चोट पहुंची है। हालांकि पुलिस शराब कारोबारी गोविंदगंज थाना क्षेत्र के रढ़िया गांव निवासी राजकुमार व मलाही थाना क्षेत्र खजुरिया गांव के बब्लू को 27 लीटर देशी शराब व बाइक के साथ गिरफ्तार कर लिया है।

दरोगा मशरुर आलम के आवेदन पर इन्द्रगाछी गांव ठाकुर यादव सहित कई लोगो पर प्राथमिकी दर्ज कराया। आवेदन में बताया गया है कि गश्ती के दौरान घुसियार गांव से उक्त दोनों शराब माफियो को पीछा कर पुलिस पकड़ना चाहती थी ।दोनो भागकर इन्द्रगाछी गांव के ठाकुर यादव के घर मे छिप गए जहां पकड़ने के दौरान उनको परिवार के सदस्यों के द्वारा पुलिस पर हमला कर छुड़ाने की कोशिश की गई ।झड़प में ग्रामीण पुलिस अखिलेश कुमार के सर पर ठाकुर यादव व उनकी पत्नी ने डंडा से हमला कर दिया जिससे उनका सर फट गया व जख़्मी हो गये। जख्मी स्थिति में संग्रामपूर सीएचसी में इलाज किया गया। थानाध्यक्ष धीरज कुमार सिंह ने बताया कि बरामद देशी शराब व बाइक को जब्त कर लिया गया दोनो कारोबारी को न्यायिक हिरासत में जेल भेजा जायेगा। वही इन्द्रगाछी गांव के ठाकुर यादव उनकी पत्नी व परिवार के अन्य सदस्यों पर शराब कारोबारी को संरक्षण देने व पुलिस पर हमला मामले में प्राथमिकी दर्ज गिरफ्तारी हेतु छापेमारी जारी है।

रुद्र सेना के जिला अध्यक्ष नियुक्त हुए आकर्ष कुमार

बीएनएम, मोतिहारी

जिले में राष्ट्रवाद और सामाजिक सेवा के लिए समर्पित संगठन रुद्र सेना ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए आकर्ष कुमार को पूर्वी चंपारण जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। संगठन के अध्यक्ष ने बताया कि आकर्ष कुमार की युवाओं के बीच मजबूत पकड़, सामाजिक सरोकारों के प्रति सक्रिय भागीदारी और संगठनात्मक क्षमताओं को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी नियुक्ति से जिले में संगठन को नई ऊर्जा और दिशा मिलने की उम्मीद है। अपनी नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए आकर्ष कुमार ने कहा, "मैं रुद्र सेना का आभार प्रकट करता हूं। यह जिम्मेदारी मेरे लिए गौरव की बात है। मैं समाज और संगठन दोनों के हित में पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करूंगा।" संगठन के अन्य पदाधिकारियों और सदस्यों ने भी उन्हें शुभकामनाएं दीं और भविष्य में संगठन को मजबूती देने के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया।

बिना वर्दी के रेड में गए सिपाही और चौकीदार निलंबित, थानेदार से स्पष्टीकरण

बीएनएम, मोतिहारी

जिले के पताही थाना क्षेत्र के जिहुली गांव में बिना वर्दी के रेड करने गई पुलिस टीम का वीडियो वायरल होने के बाद एसपी स्वर्ण प्रभात ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चौकीदार एवं गार्ड को निलंबित कर दिया है और थाना अध्यक्ष विनीत कुमार से स्पष्टीकरण पूछा गया है। बताया गया है कि जिहुली गांव में शराब भंडारण की सूचना पर पुलिस रेड करने गई थी। इस बीच बिना वर्दी के ही कुछ गार्ड चौकीदार रेड में गए थे। इसकी वीडियो बनाकर किसी ने सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। मामला संज्ञान में आने के साथ पुलिस कप्तान ने कार्रवाई की है। छापेमारी के दौरान सिपाही प्रवीण कुमार चप्पल में थे और चौकीदार मनोज रॉय आधी वर्दी में दिख रहे है । दोनों को निलंबित किया गया है और थानेदार से स्पष्टीकरण पूछा गया है ।

मधुबन के सीओ और बीडीओ बीच टकराव, डीएम के पास पहुंचा मामला

बीएनएम, मोतिहारी

जिले के मधुबन प्रखंड में बीडीओ और सीओ के बीच टकराव का मामला सामने आया है। बीते पंचायत उपचुनाव में कार्य को लेकर मधुबन सीओ रागिनी कुमारी गुप्ता पर बीडीओ रजनीश कुमार ने कई गंभीर आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी को एक लिखित पत्र भेजकर कारवाई की मांग की है। इसमें बताया गया है,कि पंचायत उपचुनाव के दौरान प्रखंड सह अंचल कार्यालय भवन के ग्राउंड फ्लोर पर पोलिंग पार्टी मतदान संबंधी तैयारियां कर रहे थे,तो सीओ ने इस स्थान को अंचल की जमीन बताते हुए मतदान कर्मियों को वहां से हटाने का प्रयास किया और उनके साथ दुर्व्यवहार भी किया। इसके साथ ही बीडीओ ने सीओ पर ईवीएम कमीशनिंग की जिम्मेदारी मिलने के बाद भी कार्य स्थल अनुपस्थित रहने अनुपस्थित रही। बीडीओ के मुताबिक सीओ को बज्रगृह प्रभारी नियुक्त किया गया था। लेकिन सीओ ने आदेश की प्रति ही वापस लौटा दी। बीडीओ ने पत्र में लिखा है कि पंचायत उपचुनाव के दौरान सीओ का रवैया पूरी तरह असहयोगात्मक रहा है। जिससे चुनावी कार्यों में बाधा उत्पन्न हुई। बीडीओ रजनीश कुमार द्वारा डीएम को भेजे गए पत्र में बताया गया कि पहले ग्राउंड फ्लोर को बज्रगृह और मतगणना स्थल के लिए निर्धारित किया गया था। लेकिन सीओ के विरोध के कारण उसे प्रथम तल के हॉल में शिफ्ट करना पड़ा। वही मामला सामने आने के बाद लोग प्रशासनिक व्यवस्था को कठघरे में खड़ा करते हुए पंचायत उपचुनाव की निष्पक्षता पर भी असर सवाल खड़े कर रहे है।ऐसे में अब डीएम इस पत्र पर क्या कार्रवाई करते हैं,देखना दिलचस्प होगा।

देवराहा बाबा गुरुकुल आश्रम और जालान सेवा संस्थान ने निभाई 'नर सेवा नारायण सेवा' की भावना

बीएनएम, मोतिहारी

ईश्वर द्वारा बनाए गए इस संसार में मनुष्य ही एकमात्र ऐसा जीव है जिसे संवेदना और समझ की शक्ति प्राप्त है। दूसरों के दुख-दर्द को महसूस कर उसकी सहायता करना ही सच्चा मानव धर्म है। इसी भावना को साकार कर रही है देवराहा बाबा गुरुकुल आश्रम सेवा परिषद और सीता देवी ओकारनाथ जालान सेवा संस्थान की ओर से संचालित मिशन अन्नपूर्णा रसोई, जो जरूरतमंदों, असहायों, यात्रियों, रिक्शा-टेंपो चालकों और श्रमिकों के बीच निःशुल्क भोजन वितरण की सेवा वर्षों से नियमित रूप से कर रही है। शनिवार को अन्नपूर्णा रसोई का 173वां आयोजन मोतिहारी के बापूधाम रेलवे स्टेशन परिसर में किया गया, जहां संस्था की ओर से सैकड़ों लोगों को निःशुल्क भोजन, लाई, धुधनी और शीतल जल वितरित किया गया। इस अवसर पर आजीवन सेवा सहयोगी विनोद जालान ने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है और इस प्रकार के सेवा कार्य ईश्वर आराधना से कम नहीं हैं। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी में इस तरह का निःस्वार्थ प्रयास समाज को मानवता का पाठ पढ़ाता है। रसोई कार्यक्रम के संचालक और सामाजिक कार्यकर्ता राम भजन ने जानकारी दी कि बीते चार वर्षों से यह मुहिम नगर में अविरल रूप से चलाई जा रही है। यह सिर्फ भोजन वितरण नहीं, बल्कि जरूरतमंदों के प्रति एक भावनात्मक समर्पण है। कार्यक्रम में मौजूद सभी सेवाभावी पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं की समाज ने भूरी-भूरी प्रशंसा की। नगरवासियों ने भी इस सेवा कार्य को सराहते हुए कहा कि ऐसे प्रयास समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और दूसरों को भी प्रेरणा देते हैं।

विश्व जनसंख्या दिवस पर एमजीसीयू के सेहत केंद्र द्वारा विशेष व्याख्यान का आयोजन

बीएनएम, मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी स्थित सेहत केंद्र द्वारा विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय कुमार श्रीवास्तव थे, जिनके मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद से यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। मुख्य वक्ता के रूप में विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. दुर्गेश्वर सिंह ने अपने उद्बोधन में विश्व जनसंख्या दिवस की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, उद्देश्यों, वैश्विक चुनौतियों और संभावित समाधानों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 तक वैश्विक जनसंख्या 8.1 अरब के आंकड़े को पार कर चुकी है और भारत अब विश्व का सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश बन गया है। डॉ. सिंह ने बताया कि जनसंख्या वृद्धि के कारण गरीबी, बेरोजगारी, शिक्षा की गुणवत्ता में गिरावट, स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव, शहरीकरण और पर्यावरणीय दोहन जैसी समस्याएं लगातार गंभीर होती जा रही हैं। उन्होंने कहा कि जनसंख्या वृद्धि न केवल संसाधनों पर भार डाल रही है, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए खतरा भी उत्पन्न कर रही है। पेट्रोलियम जैसे प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन और कृषि भूमि की सीमितता के कारण शहरीकरण बेतहाशा बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि वैश्विक स्तर पर जनसंख्या में प्रतिवर्ष लगभग एक प्रतिशत की वृद्धि हो रही है, जिससे सरकारों द्वारा संचालित स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। खाद्य आपूर्ति में असंतुलन और जनसंख्या प्रदूषण के चलते मानव कार्यक्षमता भी घट रही है। डॉ. सिंह ने परिवार नियोजन, जनस्वास्थ्य, गर्भनिरोधक उपायों और शिक्षा के माध्यम से जनसंख्या नियंत्रण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इन विषयों पर जागरूकता बढ़ाने के लिए विश्व जनसंख्या दिवस मनाना अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में सेहत केंद्र के समन्वयक डॉ. बबलू पाल, जनसंपर्क प्रकोष्ठ के समन्वयक डॉ. श्याम नंदन, समाजकार्य विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अनुपम कुमार वर्मा सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। व्याख्यान के पश्चात विद्यार्थियों ने वक्ता से संबंधित विषयों पर कई सवाल भी किए, जिनका उत्तर डॉ. दुर्गेश्वर सिंह ने सरल एवं प्रभावी ढंग से दिया।

जनसुराज ने किया बिहार बदलाव सभा का आयोजन

बीएनएम, मोतिहारी

जिले में पहाड़पुर प्रखंड क्षेत्र के सिसवा कोड़र स्थित उतक्रमित मध्य विद्यालय के प्रांगण मे शनिवार को जनसुराज पार्टी द्वारा बिहार बदलाव सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए गोविन्दगंज विधानसभा के नेता रविशंकर पाण्डेय ने जनसुराज की नीतियों से अवगत कराया गया, मौके पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बेहतर बिहार बनाने की संकल्पना के साथ जनसुराज पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में उतरेगी। उन्होंने कहा कि बिहार विकास के मामले में काफी पीछे चला गया है। रोजगार के साधन उपलब्ध नहीं होने के कारण युवा लगातार पलायन को मजबूर हैं, वृद्ध, विधवा एवं दिव्यागजनों को सम्मानजनक पेंशन नहीं मिल रहा है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एक सपना बनकर रह गया है, इसके बाबजूद भी सरकार द्वारा विकास के झूठे वादे किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन्हीं सब समस्याओं को दूर करने एवं एक समृद्ध बिहार को बनाने के लिए जनसुराज पार्टी लोगों के बीच पहुंच रही है।

जनसुराज की सरकार बनी तो बिहार को पलायन मुक्त बनाया जाएगा ।कार्यक्रम की अध्यक्षता संजय कुशवाहा ने किया जबकि मंच संचालन अवध किशोरर तिवारी ने किया। मौके पर अजय कुमार द्विवेदी राघवेन्द्र पाठक नन्दकिशोर कुशवाहा शैलेन्द्र मिश्र रविशंकर पाण्डेय नितेश कुमार श्रीवास्तव कमलेश कान्त गिरि कृष्णाकांत मिश्रा राजन राय मो.अब्बास ओमप्रकाश गुप्ता सहित भारी संख्या मे लोग मौजूद थे।

पीएम मोदी के मोतिहारी आगमन को लेकर डीआईजी ने डीएम एवं एसपी के साथ किया कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण

बीएनएम, मोतिहारी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मोतिहारी आगमन को लेकर शनिवार को कार्यक्रम स्थल गांधी मैदान का पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) चंपारण प्रक्षेत्र हरकिशोर राय के द्वारा जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के साथ निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। साथ ही उन्होने कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, विधि व्यवस्था एवं सुगम यातायात प्रबंधन समेत अन्य विषयो की गहन समीक्षा की। उन्होने जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक से सभी जानकारी प्राप्त किया।मौके पर नगर आयुक्त, सहायक समाहर्ता, कार्यपालक अभियंता पथ निर्माण विभाग एवं कार्यकारी एजेंसी के प्रतिनिधि गण उपस्थित थे।

हरसिद्धि थाना क्षेत्र में विशेष कुर्की-इश्तिहार अभियान

- सात कुर्की निष्पादित, पांच इश्तिहार तमिल

बीएनएम, हरसिद्धि

पुलिस द्वारा अपराधियों पर शिकंजा कसने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत हरसिद्धि थाना क्षेत्र में शनिवार को कुर्की और इश्तिहार से जुड़ी कई कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान कुल सात कुर्की निष्पादित किए गए, जिनमें पांच कुर्की को रिकॉल किया गया। वहीं एक मामले में हत्या (302) के अभियुक्त के विरुद्ध कुर्की की कार्रवाई की गई। एक अन्य अभियुक्त, जिसके विरुद्ध कुर्की की प्रक्रिया चल रही थी, उसकी मृत्यु हो चुकी है। इसी क्रम में कुल पांच इश्तिहार तमिल किए गए। इन इश्तिहारों में एक अभियुक्त लूट के मामले से जुड़ा था, जिसके विरुद्ध लंबे समय से कार्रवाई लंबित थी। पुलिस का यह विशेष अभियान फरार एवं घोषित अपराधियों के विरुद्ध सख्ती से कार्रवाई के उद्देश्य से संचालित किया गया, जिसमें वांछित अभियुक्तों के विरुद्ध त्वरित कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की गई। थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने बताया कि अभियान आगे भी इसी तरह जारी रहेगा, ताकि फरार अपराधियों को जल्द से जल्द न्यायिक प्रक्रिया के दायरे में लाया जा सके।

हरसिद्धि में चार लीटर चुलाई शराब के साथ दो गिरफ्तार

बीएनएम, हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के कोबेया पुल के समीप शनिवार को पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर दो युवकों को चार लीटर देशी चुलाई शराब के साथ गिरफ्तार किया। दोनों आरोपी बाइक सवार थे और शराब को बाइक की डिक्की में छुपाकर ले जा रहे थे। गिरफ्तार युवकों की पहचान सुगौली थाना क्षेत्र के सुगाव धागड़ टोली निवासी भिखारी महतो के पुत्र राहुल कुमार तथा रामाशीष महतो के पुत्र दिलीप कुमार के रूप में की गई है। थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि गश्ती दल को गुप्त सूचना मिली थी कि दो युवक शराब लेकर कोबेया पुल के पास से गुजरने वाले हैं। इसी आधार पर कार्रवाई की गई और दोनों को मौके पर ही बाइक सहित पकड़ लिया गया। पुलिस ने चार लीटर चुलाई शराब जब्त की है और दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। छापेमारी दल में अविनाश कुमार, सीमा कुमारी और शस्त्रबल के जवान शामिल थे।

समय से पहले बंद हो रहा मनरेगा कार्यालय, ग्रामीणों को उठानी पड़ रही परेशानी

बीएनएम, कोटवा

प्रखंड मुख्यालय स्थित मनरेगा कार्यालय में निर्धारित समय से पहले ताला लग जाना अब आम बात हो गई है, जिससे दूरदराज से आने वाले ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यह कार्यालय अक्सर दोपहर चार बजे के आसपास ही बंद हो जाता है, जबकि सरकारी कार्यालयों का निर्धारित समय शाम पांच बजे तक का है। मनरेगा से जुड़ी योजनाओं में आवेदन, जॉब कार्ड से संबंधित समस्याएं या मजदूरी भुगतान जैसी आवश्यक कार्यों को लेकर ग्रामीण जब कार्यालय पहुंचते हैं, तो अक्सर उन्हें बंद दरवाजा ही मिलता है। इससे न केवल उनका समय बर्बाद होता है, बल्कि कई बार एक ही काम के लिए उन्हें बार-बार चक्कर लगाने पड़ते हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कार्यालय में समय की पाबंदी नहीं है और कर्मचारियों में जवाबदेही की भी कमी दिखाई दे रही है। जब कर्मचारी मनमाने ढंग से कार्यालय समय तय करेंगे, तो फिर आम जनता की समस्याओं का समाधान कैसे होगा। इस संबंध में मनरेगा कार्यक्रम पदाधिकारी (पीओ) राजेश कुमार से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि वे क्षेत्र में कार्य निरीक्षण पर निकले हुए थे और उनके संज्ञान में यह मामला पहले नहीं आया था। उन्होंने कहा कि वे इस संबंध में जांच कर यह पता लगाएंगे कि अन्य कर्मचारी कार्यालय में उपस्थित क्यों नहीं थे।

वर्षों से बंद पड़ा एरियाल टावर, अधिकारियों को वीडियो कांफ्रेंसिंग के लिए होती है परेशानी

बीएनएम, कोटवा

प्रखंड परिसर स्थित वर्षों पहले लगाया गया एरियाल टावर अब तक चालू नहीं हो सका है। तकनीकी सुविधाओं के अभाव में प्रखंड एवं अंचल कार्यालय के अधिकारियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग मीटिंग में शामिल होने के लिए सीधे अपने कार्यालय से जुड़ने की सुविधा नहीं मिल पा रही है। ऐसे में उन्हें जिला मुख्यालय या पिपराकोठी की ओर रुख करना पड़ता है, जिससे सरकारी कामकाज में न केवल समय की बर्बादी होती है, बल्कि संसाधनों का भी व्यर्थ खर्च हो रहा है।

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि अधिकारियों को मीटिंग में शामिल होने के लिए सफर में ही दो से तीन घंटे का वक्त लग जाता है। इससे न सिर्फ प्रशासनिक कार्य प्रभावित होते हैं, बल्कि आम जनता से जुड़े कई महत्वपूर्ण फाइलों और आवेदनों के निष्पादन में भी देरी होती है। इंटरनेट कनेक्टिविटी और डिजिटल आधारभूत ढांचे की कमी प्रखंड स्तर पर लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन संबंधित विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि टावर तो वर्षों पहले खड़ा कर दिया गया, लेकिन आज तक न तो उसे सक्रिय किया गया और न ही उसके रखरखाव की कोई व्यवस्था की गई। तकनीकी सुविधाओं के बगैर 'डिजिटल गवर्नेंस' की परिकल्पना अधूरी नजर आती है। इस मुद्दे को लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी से प्रतिक्रिया ली जा रही है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि वर्षों से यह टावर चालू क्यों नहीं हो पाया और इसकी जिम्मेदारी किस स्तर पर तय की जानी चाहिए। सदर एसडीओ श्वेता भारती से भी इस संदर्भ में अपेक्षित है कि वे जांच कर संबंधित विभाग को आवश्यक निर्देश दें, ताकि प्रखंड स्तर पर प्रशासनिक कार्यों को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ा जा सके और आम लोगों को समय पर सेवाएं मिल सकें।

डीपीओ (एसएसए) के स्वागत में शिक्षकों ने दिखाई प्रसन्नता, एनपीएस लक्ष्मीपुर के हेडमास्टर ने भेंट किया गुलदस्ता

बीएनएम, तुरकौलिया

जिले में नए डीपीओ (एसएसए) के रूप में योगदान लेने पर शिक्षकों के बीच खुशी का माहौल है। शिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण और सहानुभूतिपूर्ण कार्यशैली के लिए पहचाने जाने वाले पहलाद गुप्ता के आगमन को लेकर शिक्षकों ने आशा जताई है कि जिले की शिक्षा व्यवस्था में अब व्यापक सुधार देखने को मिलेगा।

डीपीओ के कार्यों से पूर्व से ही प्रभावित रहे एनपीएस लक्ष्मीपुर के प्रधानाध्यापक सुनील कुमार ने उन्हें फूलों का गुलदस्ता देकर स्वागत किया। स्वागत के अवसर पर श्री सुनील ने कहा कि पहलाद गुप्ता पूर्व में डीपीओ (एमडीएम) के पद पर भी कार्यरत रह चुके हैं, और अपने कार्यकाल में उन्होंने मध्याह्न भोजन योजना सहित अन्य शैक्षणिक व्यवस्थाओं में अनुकरणीय कार्य किया है। वे एक अनुभवी और सजग अधिकारी के रूप में जाने जाते हैं।

प्रधानाध्यापक सुनील कुमार ने डीपीओ (एसएसए) से आग्रह किया कि वे निकट भविष्य में एनपीएस लक्ष्मीपुर विद्यालय का निरीक्षण करें ताकि बच्चों और शिक्षकों के साथ प्रत्यक्ष संवाद से प्रेरणा मिल सके।

वन महोत्सव के तहत पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन, बच्चों ने दिया हरियाली का संदेश

बीएनएम, अरेराज

वन विभाग द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं वर्षा ऋतु में अधिक से अधिक वृक्षारोपण के उद्देश्य से चलाए जा रहे वन महोत्सव कार्यक्रम के तहत राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय भेलानारी में पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का आयोजन वनपाल शशि राज एवं धर्मेन्द्र कुमार के मार्गदर्शन में किया गया।

प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और रंगों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का सुंदर संदेश दिया। प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली छात्रा रिया कुमारी को प्रथम, रानी कुमारी को द्वितीय और आरोही मिश्रा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। तीनों प्रतिभागियों को वन महोत्सव के मुख्य आयोजन में सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक मदन मोहन नाथ तिवारी ने अपने संबोधन में वन विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि, "यदि जीवन में हरियाली होगी, तो हर घर में खुशहाली होगी। हमें प्रकृति से प्रेम और संरक्षण का भाव विकसित करना चाहिए।" कार्यक्रम को बैगलेस डे के अवसर पर और भी खास बनाया गया। वरीय शिक्षक जीवन ज्योति ने बच्चों को वर्षा ऋतु में होने वाले संभावित खतरों, साफ-सफाई, जल-जमाव से बचाव, घर के आसपास कचरा न रखने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी। साथ ही बच्चियों को व्यक्तिगत स्वच्छता के प्रति भी जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम में वन विभाग के पदाधिकारी, विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। समस्त आयोजन ने न केवल विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति चेतना का संचार किया, बल्कि समाज को हरियाली और स्वच्छता का संदेश भी दिया।

मंत्री, सांसद, विधायक ने जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखा कर किया रवाना

बीएनएम, रक्सौल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगामी 18 जुलाई को पूर्वी चंपारण के मोतिहारी में आगमन को ले कार्यक्रम को सफल व ऐतिहासिक बनाने को लेकर रक्सौल के भाजपा कार्यकर्ता तैयारी में जुट गए है। शनिवार को नगर विकास एवं आवास मंत्री जीवेश मिश्रा, स्थानीय सांसद डॉ संजय जायसवाल और विधायक प्रमोद कुमार सिन्हा ने रक्सौल से जागरुकता रथ को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया।

मंत्री जिवेश मिश्रा ने कहा कि 18 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आगमन मोतिहारी के गांधी मैदान में हो रहा है। उन्होंने कहा कि जागरूकता रथ पूरे विधानसभा में घूमेगा और लोगों को जागरूक करेगा। वही सांसद डॉ संजय जायसवाल ने बताया की आगामी 18 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम में रक्सौल विधानसभा से 10 हजार से अधिक लोग शामिल होंगे। जिसको लेकर अभी से तैयारियां शुरू कर दी गई है। मोदी जी की ऐतिहासिक रैली को सफल बनाना हमारा संकल्प है। विधायक प्रमोद कुमार सिन्हा ने कहा कि चम्पारण की धरती पर प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर लोगों में काफी उत्साह दिख रहा है। रक्सौल से अधिक से अधिक संख्या में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में मोतिहारी पहुचने के लिये लोगो से अपील की। इस मौके पर भाजपा रक्सौल जिलाध्यक्ष अशोक पांडेय, बिहार भाजपा मुख्यालय सह प्रभारी इंजीनियर जितेंद्र कुमार कुशवाहा, विधानसभा प्रभारी प्रदीप सर्राफ, भाजपा नेता राकेश कुशवाहा, उपसभापति पुष्पा देवी, विधानसभा संयोजक मनीष दुबे, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गुड्डू सिंह, उप प्रमुख शम्भू दास, जिला मंत्री मीरा कुशवाहा, मोती बैठा, भाजपा नेता प्रेम कुशवाहा, कन्हैया सर्राफ, मण्डल अध्यक्ष नितेश पटेल, मुक्ति नारायण साह, रिकू पांडेय, दिलीप कुशवाहा, प्रवीण सिंह, इन्द्रशन पटेल, प्रेम गुप्ता, निरंजन साह, अजित श्रीवास्तव, राजकिशोर ठाकुर समेत सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तुरकौलिया में शराब के विरुद्ध कार्रवाई, 150 लीटर शराब जब्त, एक तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम, तुरकौलिया।

शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने के क्रम में तुरकौलिया पुलिस ने रविवार को दो अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर 150 लीटर अवैध शराब जब्त की और एक तस्कर को गिरफ्तार किया। कार्रवाई से शराब माफियाओं में हड़कंप मच गया है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि घोड़ाघाट के दो तस्कर एक बासवारी में मक्के के डंठल के नीचे शराब छुपाकर बिक्री की तैयारी में हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम वहां पहुंची। पुलिस वाहन को देख तस्कर भागने लगे, लेकिन घोड़ाघाट निवासी दीनदयाल सहनी को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि उसका सहयोगी लालबाबू सहनी फरार हो गया। तलाशी के दौरान उजले बोरे से 108 लीटर नेपाली शराब बरामद की गई। वहीं दूसरी कार्रवाई में पुलिस ने सेमरा भोला टोला गांव के समीप सरेह में छापेमारी कर 42 लीटर शराब बरामद की। वहां भी पुलिस को देख एक तस्कर फरार हो गया, जिसकी पहचान मदन पासवान के रूप में की गई है। वह सेमरा भोला टोला का ही निवासी है। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार तस्कर के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। फरार तस्करों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

शराब तस्करी पर पुलिस की दोहरी कार्रवाई, नेपाली शराब के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम, पताही

शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने को लेकर प्रशासन लगातार कार्रवाई कर रहा है। इसी क्रम में पताही थाना क्षेत्र में पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर बड़ी मात्रा में शराब बरामद की है और तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पहली कार्रवाई रंगपुर बाजार में हुई, जहां गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने एक बाइक सवार को रोका। जांच के दौरान बाइक पर लदी नेपाली सोफिया ब्रांड की 325 पीस शराब बरामद की गई। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान सीतामढ़ी जिले के बैरगनिया थाना क्षेत्र के भटौलिया गांव निवासी जमाल मियां के रूप में की गई है। पुलिस के अनुसार, वह नेपाल से शराब लाकर बिहार में आपूर्ति करने का काम करता था। छापेमारी के दौरान शराब और बाइक को जब्त कर लिया गया है और आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इसी दिन दूसरी कार्रवाई बोकाने कला गांव में की गई, जहां एक घर में छिपाकर रखी गई 25.89 लीटर अंग्रेजी शराब को पुलिस ने बरामद किया। मौके से नूरशिदा खातून और खातुना खातून नामक दो महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का कहना है कि दोनों लंबे समय से अवैध शराब कारोबार में संलिप्त थीं। पुलिस ने दोनों मामलों में बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। लगातार हो रही छापेमारी से क्षेत्र में शराब माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है, वहीं स्थानीय लोगों ने पुलिस की कार्रवाई की सराहना की है।

प्रखंड परिसर, बैंक और आवास से चोरों ने उड़ाई बाइकें; पुलिस पर उठे सवाल

हरसिद्धि में बाइक चोरों का आतंक, तीन दिन में तीन अलग-अलग जगहों से बाइक चोरी

बीएनएम। हरसिद्धि।

हरसिद्धि थाना क्षेत्र में इन दिनों बाइक चोरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। बीते दिनों में हुई लगातार तीन बाइक चोरी की घटनाओं ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस अब तक किसी भी मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर सकी है। पहली घटना प्रखंड कार्यालय परिसर की है, जहां कार्यरत सरकारी अमीन विनोद कुमार मिश्रा की बाइक अज्ञात चोरों ने चोरी कर ली। पीड़ित ने बताया कि वे अपनी बाइक परिसर में बने शेड में खड़ी कर अंचल कार्यालय में काम करने गए थे। जब लौटे तो बाइक गायब थी। उन्होंने बताया कि यह बाइक उन्होंने महुआवा (चिरैया) निवासी रामजी कुमार से खरीदी थी। घटना के संबंध में थाने में अज्ञात चोर के खिलाफ आवेदन दिया गया है।

दूसरी घटना हरसिद्धि स्थित स्टेट बैंक परिसर की है, जहां दुधई निवासी खलील अंसारी की बाइक चोरी हो गई। खलील की पत्नी अफसाना खातून अपने

पौत्र जियाउद्दीन के साथ बैंक से पैसा निकालने गई थीं। उन्होंने बाइक बैंक के बाहर खड़ी की थी, लेकिन जब वापस लौटीं, तो बाइक गायब थी। अफसाना ने बताया कि बैंक के सीसीटीवी कैमरे में बाइक चोर की तस्वीर कैद है, जिसकी जांच होनी चाहिए। तीसरी घटना बबन धवही गांव की है। यहां मोतीपुर स्थित अन्नपूर्णा फाइनेंस में कार्यरत रंजीत कुमार निषाद की बाइक उनके घर के बाहर से चोरी हो गई। वे घर पर ढलाई के काम के दौरान आए थे और रात को बाइक दरवाजे पर खड़ी कर सो गए थे। सुबह उठने पर बाइक गायब मिली। तीनों मामलों में पीड़ितों ने थाने में आवेदन देकर न्याय की मांग की है। वहीं, पुलिस का कहना है कि सभी घटनाओं की जांच की जा रही है और जल्द ही चोरों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी।

बढ़ती घटनाओं से दहशत में लोग, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल : बाइक चोरी की इन लगातार घटनाओं ने क्षेत्रवासियों में भय का माहौल बना दिया है। लोग अब सार्वजनिक स्थलों पर बाइक खड़ी करने में डरने लगे हैं। स्थानीय नागरिकों ने पुलिस से गश्त बढ़ाने और अपराधियों को जल्द पकड़ने की मांग की है।

तुरकौलिया पुलिस ने अपहृत महिला को बरामद कर अपहर्ता को दबोचा, दो वारंटी भी गिरफ्तार

बीएनएम, तुरकौलिया

थाना क्षेत्र से अपहृत एक विवाहित महिला को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया है। साथ ही मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार भी किया गया है। पुलिस ने पीड़िता का बयान न्यायालय में दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सेमरा बेलवतिया निवासी शेख अतुल्लाह उर्फ सोनू के रूप में हुई है। मामले में अपहृत महिला के पिता ने तुरकौलिया थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि उनकी पुत्री की शादी थाना क्षेत्र के एक गांव में हुई थी और उसके तीन छोटे बच्चे भी हैं। महिला का पति दो वर्ष पूर्व रोजगार के सिलसिले में सऊदी अरब चला गया था। इस बीच महिला अक्सर अपने मायके आया-जाया करती थी। इसी दौरान पांच जुलाई की रात करीब आठ बजे उनकी पुत्री का अपहरण साजिश के तहत कर लिया गया था। मामले में गिरफ्तार सोनू समेत आधा दर्जन लोगों के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज हुआ था। इधर, पुलिस ने उत्पाद कांड में फरार चल रहे दो वारंटियों को भी गिरफ्तार किया है। इनमें खाप टिकैताका का सफी अंसारी और शिवहर जिले के माधोपुर पिपराही निवासी रजनीश कुमार उर्फ पवन कुमार शामिल हैं। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि बरामद महिला का कोर्ट में बयान दर्ज कराया जा रहा है और गिरफ्तार सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

आतंकवाद के खिलाफ मुहिम जारी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पहलगाम आतंकी हमले को आर्थिक युद्ध का नया कृत्य बताया। अंतरराष्ट्रीय पत्रिका 'न्यूज़वीक के साथ मैनहट्टन में हुई बातचीत में उन्होंने परमाणु ब्लैकमेल की पाकिस्तान की नीति का जवाब देने की बात भी कही। जयशंकर ने पाकिस्तान के साथ हुए संघर्ष पर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि हम अब यह स्वीकार नहीं करेंगे कि आतंकवादी छद्म हैं। इस मामले में पाकिस्तान पूरी तरह दोषी है। पहलगाम में छब्बीस पर्यटकों की निर्मम हत्या के लगभग दो महीनों बाद उन्होंने विस्तार में यह बात की। भारत ने इस आतंकवादी घटना के बाद सीमापार स्थित आतंकी ठिकानों पर हमला कर दिया था। विदेश मंत्री ने साफ कहा, हम सुरक्षा करेंगे। अपने लोगों की रक्षा करने के अधिकार का हम प्रयोग करेंगे। साथ ही कहा कि हम आतंकवाद पर बातचीत करने को इच्छुक हैं। लेकिन यदि वे आतंकवाद जारी रखते हैं तो मुझे लगता है यह यथार्थवादी नहीं है। यह भी कहा कि आप एक साथ अच्छे पड़ोसी और आतंकवादी नहीं हो सकते। हालांकि पाक सरकार विभाजित कश्मीर में हत्याओं या हमलों में किसी भी तरह का हाथ होने से इंकार करती रही है। उनकी तरफ से भारत पर जवाबी हमले भी किए गए थे और चेतावनी दी गई थी कि यदि पाकिस्तान को अपने अस्तित्व पर खतरा महसूस हुआ तो वह परमाणु हथियारों का सहारा भी ले सकता है। यह शायद पहली मर्तबा था, जब भारत ने दुश्मन मुल्क के भीतर घुसकर आतंकी ठिकानों का जबरदस्त तौर पर सफाया किया जिसका समूची दुनिया में स्पष्ट संदेश गया कि भारत अब आतंकवादियों के प्रति कोई मुर्वत नहीं करने वाला। पाक में जारी राजनीतिक अस्थिरता और उथल-पुथल के दौरान आतंकवादियों के हौंसले बुलंद होते जा रहे थे। हालांकि सीमापार आतंकवाद की यह मामला बेहद जटिल है, इसलिए इसका समाधान आसानी से नहीं किया जा सकता। परंतु भारत द्वारा अपने पड़ोसी मुल्कों से संबंध सुधारने के प्रयासों पर गंभीर बात करने के संकेत दिए जा रहे हैं। पहले भी पाकिस्तान सरकार द्वारा वांछित आतंकवादियों को प्रश्रय देने के कारण उनकी नीयत पर संदेह किया जाता रहा है। प्रशिक्षित आतंकवादियों के सीमापार से चोरी-छिपे घुसपैठ से देश की न सिर्फ शांति भंग होती है, बल्कि जान-माल का भी भारी नुकसान होता है। सरकार द्वारा उठाए गए सख्त कदमों से अब समूची दुनिया को सहमत होना ही होगा।

'पंजाब में तेजी से बिगड़ रही कानून-व्यवस्था'

आशीष वशिष्ठ

पंजाब में तेजी से बिगड़ती कानून-व्यवस्था, महाराष्ट्र में उद्धव और राज ठाकरे का गठबंधन और बिहार में चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण और उस पर सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों पर इस हफ्ते पंजाबी अखबारों ने अपनी राय प्रमुखता से रखी है। सूबे की कानून व्यवस्था पर चंडीगढ़ से प्रकाशित पंजाबी ट्रिब्यून अपने संपादकीय ''पंजाब में बढ़ता अपराध'' में लिखता है- अबोहर के व्यापारी संजय वर्मा की दिनदहाड़े हत्या और मोगा के एक क्लीनिक में अभिनेत्री तानिया के पिता की गोली मारकर हत्या ने एक तरह से यह उजागर कर दिया है कि किस तरह संगठित अपराध राज्य में आपराधिक गतिविधियों को आसानी से अंजाम दे रहा है। अखबार लिखता है शिक्षित युवाओं में बेरोज़गारी, नशे की लत व जल्दी पैसे कमाने का लालच कई पंजाबी युवाओं को अपराध की ओर धकेल रहा है। सोशल मीडिया पर दुष्प्रचार और गैंगस्टरों का महिमामंडन आग में घी डालने का काम कर रहा है। पंजाब में आपराधिक-आतंकवादी गठजोड़ अब स्थानीय नहीं रहा; यह अंतर्राष्ट्रीय, तकनीकी रूप से सक्षम और वैचारिक रूप से अस्थिर हो गया है। यह संकट जितना लंबा चलेगा, पंजाब के भविष्य को पटरी पर लाना उतना ही मुश्किल होता जाएगा। जालंधर से प्रकाशित 'पंजाबी जागरण' लिखता है- पंजाब पिछले कुछ समय से आपराधिक गतिविधियों में बढ़ोतरी के कारण सुर्खियों में है। अबोहर में हुई एक घटना ने पूरे राज्य में सनसनी फैला दी है। लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े एक समूह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए इस घटना की जिम्मेदारी ली है। ऐसा नहीं है कि राज्य में इस तरह की यह पहली घटना है। यह घटना आम बात है। अबोहर की घटना ने पंजाब में जबरन वसूली के बढ़ते मामलों पर भी प्रकाश डाला है। जालंधर से प्रकाशित अजीत लिखता है -आजकल पूरे राज्य में लूटपाट का बोलबाला है। अबोहर की घटना के बाद सरकार एक बार फिर विपक्षी दलों के निशाने पर आ गई है। विपक्ष खासकर कांग्रेस ने मुख्यमंत्री से विधानसभा में कानून व्यवस्था के मुद्दे पर विशेष बहस की मांग की है। जालंधर से प्रकाशित रोजाना पंजाब टाइम्स लिखता है-वर्ष 2023-24 की रिपोर्टों के अनुसार, पंजाब में जबरन वसूली और धमकियों से जुड़े मामलों में वृद्धि देखी गई है। पंजाब पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, जून 2022 से फरवरी 2023 तक जबरन वसूली और धमकी के 278 मामले दर्ज किए गए, जो मार्च 2023 से दिसंबर 2023 तक बढ़कर 307 हो गए। यह वृद्धि समाज और पुलिस प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती पेश कर रही है। अखबार लिखता है, सिद्धू मूसेवाला की हत्या ने संगठित अपराध की गंभीरता को उजागर किया, लेकिन इसके खिलाफ कोई बड़ी कार्रवाई नहीं हुई। जबरन वसूली की घटनाओं ने पंजाब के व्यापारियों और छोटे उद्योगपतियों में भय का माहौल पैदा कर दिया है। कई व्यापारी और कलाकार धमकियों के कारण अपना व्यवसाय या पेशा छोड़ने की सोच रहे हैं। इसका राज्य की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। चंडीगढ़ से प्रकाशित रोजाना स्पोक्समैन लिखता है, इस साल अब तक चंडीगढ़ में हत्या के 15 मामले दर्ज किए गए हैं। आंकड़े बताते हैं कि तेजी से हो रहे शहरीकरण, अन्य कारकों के साथ-साथ उत्तर प्रदेश और बिहार से पंजाब और चंडीगढ़ की ओर युवा पीढ़ी के बढ़ते पलायन के कारण भी गंभीर और घातक अपराधों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। जिन व्यवसायों में स्थानीय लोगों की विशेषज्ञता है, उनमें बाहरी लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने जैसी मांगें राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर उठने लगी हैं। पंजाब और चंडीगढ़ को भी अब इस दिशा में कुछ सार्थक कदम उठाने की जरूरत है। बिहार में चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण और इस बाबत सुप्रीम कोर्ट के हालिया निर्देशों पर चंडीगढ़ से प्रकाशित 'पंजाबी ट्रिब्यून' लिखता है- सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को जारी रखने की अनुमति दे दी है, लेकिन साथ ही उसने चुनाव आयोग से एक बहुत ही प्रासंगिक प्रश्न पूछा है: अभी क्यों? अदालत ने यह बिल्कुल सही बात कही है कि विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले इस तरह की कवायद से लोगों के मन में संदेह पैदा होना स्वाभाविक है। सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया है कि इस प्रक्रिया में आधार कार्ड पर विचार क्यों नहीं किया जा रहा है। उसका मानना है कि चुनाव अधिकारियों को आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड पर विचार करना चाहिए। चंडीगढ़ से प्रकाशित 'देशसेवक' लिखता है- छोटी-मोटी बाधाओं के बावजूद, चुनाव आयोग ने न केवल देश में, बल्कि दुनिया में भी सम्मान अर्जित किया है। बिहार चुनावों में चुनाव आयोग के सामने अपनी ईमानदारी बचाने की चुनौती है। जालंधर से प्रकाशित 'अज दी आवाज' लिखता है- बिहार में इस साल विधानसभा चुनाव होने

वाले हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार चुनाव जीतने के लिए हर हथकंडा अपना रहे हैं। बिहार में कानून-व्यवस्था की स्थिति ठीक नहीं है। रसूखदारों और कारोबारियों की हत्याओं की घटनाओं ने राज्य सरकार की छवि को गहरा धक्का पहुंचाया है। युवा बेरोजगार हैं और आम जनता महंगाई की मार झेल रही है। ऐसे में नीतीश कुमार ने भी अन्य राजनेताओं की तरह चुनाव के दौरान जनता को लुभाने के लिए बड़े-बड़े ऐलान किए हैं। अखबार आगे लिखता है, बिहार सरकार द्वारा कल्याणकारी योजनाओं की शुरुआत के लिए चुना गया समय उसकी ईमानदारी पर सवाल उठा रहा है। अगर सरकार वाकई लोगों की समस्याओं के प्रति गंभीर और सजग होती, तो ये घोषणाएं एक-दो साल पहले ही की जा सकती थीं। यह तो समय ही बताएगा कि सरकार के अंतिम दिनों में मतदाताओं को लुभाने के लिए की गई घोषणाएं कारगर साबित होती हैं या नहीं। महाराष्ट्र में उद्धव और राज ठाकरे के गठबंधन पर जालंधर से प्रकाशित 'अज दी आवाज' लिखता है- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार द्वारा राज्य में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाने के फैसले ने दोनों चचेरे भाइयों, उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे को करीब आने का अवसर दिया। ऐसा लगता है मानो दोनों नेता साथ आने के मौके का इंतज़ार कर रहे थे। फिलहाल, ये दोनों पार्टियां अपना अस्तित्व बचाए रखने के लिए संघर्ष कर रही हैं। ठाकरे भाइयों का तात्कालिक लक्ष्य प्रतिष्ठित मुंबई नगर निगम में पैर जमाना है। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन महायुति और विपक्षी एमवीए दोनों ही आंतरिक मतभेदों से घिरे हुए हैं। राज्य में स्थानीय निकाय चुनावों के मद्देनजर, आगामी समय में महाराष्ट्र की राजनीति में और अधिक उतार-चढ़ाव देखने को मिलेंगे और उनका प्रदर्शन राजनीति में उनका भविष्य भी तय करेगा। इसके अलावा एक बड़ा सवाल यह भी है कि क्या ये दोनों स्थानीय चुनाव अकेले लड़ेंगे या एमवीए के सहयोगी कांग्रेस और शरद पवार के साथ मिलकर लड़ेंगे। चंडीगढ़ से प्रकाशित 'पंजाबी ट्रिब्यून' लिखता है-शिवसेना के एक धड़े के प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे द्वारा हताशा में अपनाया गया यह अंतिम उपाय है। शिवसेना संस्थापक बालासाहेब ठाकरे के बेटे उद्धव और भतीजे राज ठाकरे अपनी राजनीतिक किस्मत चमकाने के लिए 'मराठी मानुष' कार्ड पर भरोसा कर रहे हैं। वे भाजपा पर किसी न किसी बहाने महाराष्ट्र के लोगों को बांटने का आरोप लगा रहे हैं; हालांकि, उनकी लड़ाई केवल भगवा पार्टी के खिलाफ ही नहीं है, बल्कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली 'आधिकारिक' शिवसेना के खिलाफ भी है। ठाकरे बंधुओं के पुनर्मिलन का मतलब है कि शिंदे अब मराठी वोट को हल्के में नहीं ले सकते।

गजबा-ए-हिंद की सोच का एक हिस्सा भर है, जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

जब भारत के अस्तित्व को ही मिटाने का प्रयास योजना से किया गया हो, तब फिर यह बहुत बड़ी चुनौती उस हिन्दू समाज के सामने है, जिसके कारण से विभाजन के बाद भी भारत की असली पहचान दुनिया में आज भी बनी हुई है। इसलिए सच पूछिए तो निपटना भी उसे ही इस समस्या से है। क्या वह इसी तरह अपने बीच कन्वर्जन होता देखेगा या धर्मांतरण के लिए सख्त कदम भी उठाएगा? यह आज का सबसे बड़ा प्रश्न है। जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा का मामला जब सामने आया तो कई लोगों को लग रहा होगा कि अरे; ऐसा भी है! किंतु ऐसा कब से है, विचारणीय यह है और इसमें कितने लोग लगातार योजना से अपने धर्मांतरण कार्य को अंजाम दे रहे हैं, बिना इस चिंता के कि भारत का कानून उन्हें इसके लिए क्या सजा देगा! वस्तुतः कभी-कभी यह सोचकर भी आश्चर्य होता है कि कैसी मजहबी मतान्धता है! धर्मांतरण के खेल में लगे इन इस्लामिक जिहादियों को न कानून का भय है, न कोई नैतिकता का प्रश्न। यदि कुछ इनके पास नजर आता है तो वह है गजबा-ए-हिंद की गंदी सोच के लिए अपने जीवन को तबाह कर देने की चाह। हालांकि इनकी नजर में ये कोई तबाह हो जाने की सोच नहीं है, किंतु भारत को जरूर ये तबाह करने का काम कर रहे हैं। देखा जाए तो इसी गजबा-ए-हिंद की सोच का एक हिस्सा भर है ये छांगुर बाबा। धर्मांतरण केस में पकड़े गए इस इस्लामिक बाबा को लेकर जो कई सच सामने आए हैं, उसमें से एक यह भी है कि तीन सालों के अंदर ही छांगुर ने दुनिया के कई इस्लामिक देशों से 500 करोड़ रुपये से अधिक की फंडिंग ली। जिन मुस्लिम देशों का नाम यहां सबसे ज्यादा बार सामने आ रहा है, उनमें पाकिस्तान, दुबई, सऊदी अरब और तुर्किये हैं। भारत का इस्लामीकरण करने के लिए उक्त राशि भारत लाई गई थी, और फिर छांगुर बाबा ने इसी पैसे से कई हिन्दू लड़कियों का ब्रेनवॉश करवाया। संख्या भी सामने आई है लगभग 4 हजार से अधिक लड़कियों को निशाना बनाया गया, जिसमें से 1500 से अधिक हिन्दू लड़कियों का धर्मांतरण हो गया। इनमें कई नाबालिग भी रहीं। कहना होगा कि उसकी हिन्दू लड़कियों के कन्वर्जन की रेटलिस्ट वास्तव में भारत की 'धर्मनिरपेक्षता' के मुंह पर तमाचा है। या कहें संविधान में वर्णित पंथनिरपेक्षता का खुला मजाक है। छांगुर ने हिंदू लड़कियों में भी ब्राह्मण, क्षत्रिय, ओबीसी, अनुसूचित जाति और जनजाति के हिसाब से धर्मांतरण की रेट लिस्ट बनाई । जलालुद्दीन उर्फ छांगुर सबसे ज्यादा ब्राह्मण और क्षत्रिय राजपूत लड़कियों को इस्लाम कबूल करवाने के लिए 15 से 16 लाख रुपये मुसलमान युवक को देता। पिछड़ी जाति वर्ग की हिंदू लड़की को कोई मुसलमान इस्लाम में कन्वर्ट कराता तो उसे इसकी ओर से 10 से 12 लाख रुपये दिए जाते। वहीं, अन्य हिंदू अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग की लड़कियों के इस्लामीकरण के लिए ये 08 से 10 लाख रुपये की कीमत मुस्लिम युवक को देता। यानी कि धन की दम पर कन्वर्जन। देश में कई लोगों को आज भी 'लव जिहाद' शब्द के उपयोग पर आपत्ति है, वे यह कहकर हिन्दू संगठनों की आलोचना भी करते हैं, किंतु अब जो सामने दिख रहा है, उसका क्या करें? आज देश में जहां भी जाओ वहीं कोई जलालुद्दीन उर्फ छांगुर इस्लामिक कन्वर्जन जिहाद करता मिलता है। मध्य प्रदेश के इंदौर में अभी कुछ दिन पहले ही सामने आया कि कैसे कांग्रेस का एक पार्षद अनवर कादरी उर्फ अनवर डकैत धर्मांतरण करा रहा था। बाद में हिन्दू युवतियों को देह व्यापार में धकेलने का काम करता । अब तक न जाने कितने इस्लामियों को यह 01 से 02 लाख रुपए लव जिहाद करने के लिए देता रहा है। इसकी अपराधिक प्रवृत्ति देखें, उसके खिलाफ 19 आपराधिक मामले दर्ज हैं। सबसे बड़ी बात कि इतने अधिक अपराध करने के बाद भी वह जनप्रतिनिधि है। उसके नजरिए से तो वह काफिरों को ईमानवाला बना रहा है। यह उसका कोई गुनाह है ही नहीं! फिर भले ही देश का कानून जो भी कहे। भोपाल, सागर, उज्जैन में भी सामुहिक लव जिहाद के षड्यंत्र उजागर हुए हैं। इन सभी में यही उद्देश्य सामने आया है कि कैसे भी इस्लामिक कन्वर्जन करवाना है। आज देश का कोई भी प्रदेश ऐसा नहीं है, जहां पर नाम बदलकर प्रेम का नाटक फिर संबंध बनाने के बाद अपनी असली पहचान उजागर करने, धर्मांतरण के लिए दबाव बनाए जाने की शिकायतें सामने न आई हों। अनेक प्रकरणों में पॉक्सो के मामले दर्ज किए गए हैं। वस्तुतः ये इस्लामिक जिहादी इतने धूर्त हैं, कि इन्होंने हिन्दू बच्चियों के 18 वर्ष पूर्ण होने तक उनके बालिग हो जाने का भी इंतजार नहीं किया। इस संदर्भ में उत्तर प्रदेश के ही बरेली न्यायालय में एक प्रकरण की सुनवाई के दौरान पिछले साल अक्टूबर 2024 में जो न्यायाधीश ने कहा, वह स्मरण हो आता है। वस्तुतः यहां की एक स्थानीय अदालत ने कहा, 'लव जिहाद' का उद्देश्य जनसांख्यिकीय युद्ध और अंतरराष्ट्रीय साजिश के जरिए भारत के खिलाफ एक विशेष धर्म के कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा प्रभुत्व स्थापित करना है। अतिरिक्त जिला न्यायाधीश (फास्ट ट्रैक कोर्ट) रवि कुमार दिवाकर कहते हैं कि हिंदू लड़कियों को अवैध धर्मांतरण के लिए "प्यार" में फंसाया जा रहा है और भारत में पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसी स्थितियां पैदा की जा रही हैं। उन्हें यहां तक कहना पड़ा कि अवैध धर्मांतरण देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता के लिए बड़ा खतरा है। न्यायाधीश ने पाया कि मोहम्मद अलीम ने 'आनंद' बनकर एक छात्रा को धोखा दिया। लड़के के पिता ने भी अपने बेटे का साथ दिया। तब न्यायाधीश दिवाकर ने चेतावनी दी कि, "यहां पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसी स्थितियां पैदा करने की साजिश चल रही है।" अदालत ने कहा, मनोवैज्ञानिक दबाव और शादी व नौकरी जैसे प्रलोभनों के ज़रिए धर्मांतरण कराया जा रहा है। न्यायाधीश ने कहा, "संविधान प्रत्येक व्यक्ति को अपने धर्म का पालन करने और उसका प्रचार करने का मौलिक अधिकार देता है और 'लव जिहाद' द्वारा किए गए अवैध धर्मांतरण के जरिए इस व्यक्तिगत स्वतंत्रता से समझौता नहीं किया जा सकता।" न्यायालय द्वारा विदेशी फंडिंग को लेकर भी चिंता जताई गई। साथ ही कहा था कि अगर इस मुद्दे का समय रहते समाधान नहीं किया गया, तो इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। यहां विचार अवश्य करना चाहिए कि उत्तर प्रदेश सरकार ने विशेष रूप से "लव जिहाद" के माध्यम से अवैध धर्मांतरण से निपटने के लिए उत्तर प्रदेश गैरकानूनी धार्मिक धर्मांतरण निषेध अधिनियम, 2021 लागू किया है। इसके बाद भी इन इस्लामिक जिहादियों को इस कानून का कोई भय नहीं है। कहना होगा कि उत्तर प्रदेश ही क्यों, देश में इस वक्त कई राज्यों में इस तरह का कानून बनाया गया है, जिसे आज सभी धर्मांतरण विरोधी कानून के रूप में जानते हैं। उत्तर प्रदेश के साथ उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, हरियाणा, गुजरात, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, ओडिशा में इस तरह का कानून किसी न किसी रूप में है। सजा के सख्त प्रावधान किए गए हैं, किंतु इसके बाद भी इस्लामिक जिहादी अपने लव जिहाद समेत हर उस षड्यंत्र को छोड़ने को तैयार नहीं दिखते जो किसी भी रूप में क्यों न हो, मजहबी कन्वर्जन कराता है। सभी की चिंता में यह होना चाहिए कि आखिर भारत में उनकी यह सोच विकसित कैसे होती है! सच पूछिए तो सही प्रहार उस सोच एवं कारणों पर करने की आज महती आवश्यकता है।

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आपको करियर से संबंधित अनुभवी व्यक्तियों से मार्गदर्शन मिलेगा तथा स्टूडेंट अपनी पढ़ाई के प्रति सजग रहेंगे। आज आपके घर पर मेहमानों का आगमन होगा। आज आप महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह मशवरा कर लें, तो उचित होगा। कारोबारी गतिविधियां व्यवस्थित रखने के लिए लापरवाही व आलस ना करके पूरे मन से काम करेंगे तो जल्द ही आपको नई संभावनाएं मिलेंगी।

वृष राशिः आज का दिन आपके जीवन में नई खुशियां लेकर आया है। आज अनुभवी लोगों से मिली बेहतरीन राय आपके लिए लाभदायक रहेगी। आप किसी भी काम को करने से पहले उसके पहलुओं पर विचार विमर्श करेंगे तो इससे आपके तरक्की के नए मार्ग प्रशस्त होंगे। साथ ही आपका कॉन्फिडेंस भी बढेगा।

मिथुन राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आपको सरकारी कामों में अनुभवी व्यक्तियों से राय मिलेगी, जिससे आपका काम आसान हो जायेगा। नौकरी कर रहे लोग अपने काम को गंभीरता और ईमानदारी से करेंगे। आज नौकरी में आपकी तरक्की के योग बन रहे हैं। आज क्लाइंट के साथ आपके रिश्ते मजबूत बनेंगें, जो आपके व्यापार के लिए लाभदायक रहेगा। आज परिवार में अनुशासित और शांतिपूर्ण माहौल रहेगा।

कर्क राशिः आज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज आप माता – पिता के लिए भी कुछ समय जरूर निकालेंगे। उनका आशीर्वाद व सलाह आपके लिए भाग्योदय का कारक बनेगा। आज आप बच्चों को डांटने के बजाय उन्हें समझने और समझाँने की कोशिश करें सब ठीक होगा। कार्यस्थल पर गतिविधियां आज सुचारू रूप से चलती रहेंगी। आज आप अपने खर्चों पर नियंत्रण करने का भरपूर प्रयास करेंगें।

सिंह राशिः आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। आज आपको अच्छी खबर मिलने के योग हैं यह ख़ुशी आपके घर में बेटे के करियर को लेकर हो सकती है। आज आपको लाभदायक और रोचक जानकारी मिलने से आपका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा। आज आपका महत्वपूर्ण काम बिना बाधा के पूरा होने से आपका आत्मविश्वास मजबूत होगा और आप पूरी ऊर्जा के साथ दिन बिताएंगे।

कन्या राशिः आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आप सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेंगे। आज कारोबारी मामलों में सुधार होगा। आज आप जीवनसाथी की भावनाओं को समझेंगे जिससे रिश्तों में नज़दीकियां बढ़ेगी। लवमेट को मुलाकात के अवसर मिल सकते हैं, जिससे आपका दिन अच्छे से बीतेगा। पारिवारिक लोगों की छोटी-मोटी जरूरतों का ध्यान रखना घर में खुशनुमा माहौल बनाएगा।

तुला राशिः आज आपके लिए दिन पॉजिटिव रहने वाला है। आज आपका पारिवारिक मामला किसी बड़े बुजुर्ग की सहायता से सुलझ जायेगा, परिवार में फिर से खुशियां आ जाएंगी। आज अपनी दिनचर्या के कार्यों के अतिरिक्त आप अन्य कार्यों में भी समय बिताएंगे। किसी सामाजिक गतिविधियों में आपकी उपस्थिति और विचार सराहनीय रहेंगे।

वृश्चिक राशिः आज आपको किसी अपने के माध्यम से अच्छी खबर मिलने के योग बन रहे है। आज आप अपने घरेलू कार्यों को पूरा करने में सफल होंगे। आज दिन भर सकारात्मक और अनुशासित दृष्टिकोण आपको खुश रखेगा। स्वयं की सूझबूझ से लिए गए निर्णय के उचित परिणाम हासिल होंगे। विद्यार्थियों को इंटरव्यू या करियर से संबंधित क्षेत्र में सफलता मिलने की पूरी संभावना है।

धनु राशिः आज आपका दिन खास रहने वाला है। आज आपको व्यापार में बढ़िया धन लाभ होगा, इसके साथ ही कठिन से कठिन काम को पूरे निश्चय के साथ पूरा करेंगें। पार्टनरशिप में व्यवस्था को लेकर कुछ जरुरी फैसले हो सकते है। आज किसी प्रोजेक्ट को लेकर कोई ऑफिशियल यात्रा संभव है।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए सफलता प्राप्त करने में सहायक रहेगा। आज ऑफिस में आप किसी नए प्रोजेक्ट पर काम करेंगे जिसमें आपको सफलता प्राप्त होगी। आज आपको कुछ खास लोगों से मुलाकात करने का अवसर मिलेगा और रुका हुआ काम भी व्यवस्थित होगा।

कुम्भ राशिः आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। बिजनेस के लिए दिन अच्छा है, आज रियल स्टेट में बढ़िया डील फाइनल हो सकती है। आज ऑफिस के कार्यभार की अधिकता की वजह से आपको थकान महसूस हो सकती है। घर का वातावरण मधुर और खुशनुमा बना रहेगा।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आपका मित्र आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है जिसे आप निराश नहीं करेंगे। किसी बड़े प्रॉजेक्ट को पूरा करने में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। आज आपको पिछले कुछ समय से अपने करियर औऱ निजी जीवन संबंधी किए गए प्रयासों का फल मिलने का समय है।

राष्ट्रीय एकता में दर्शन का सदुपयोग

हृदयनारायण दीक्षित

दर्शन बुद्धि विलास नहीं है। मानव जीवन को आनंदित करने के लिए दर्शन का सदुपयोग होता रहा है। राष्ट्रीय एकता के लिए भी दर्शन की उपयोगिता है। वेदांत दर्शन का सदुपयोग शंकराचार्य व विवेकानंद ने किया था। वेदांत का मूल ग्रंथ ब्रह्मसूत्र है। ब्रह्मसूत्र असाधारण रचना है। इसमें वेदो से लेकर उपनिषद् काल तक विकसित सभी विचारों पर टिप्पणियां हैं। रचनाकार ने सूत्रों में बड़ी-बड़ी बातें की हैं। ब्रह्म सूत्र में पूरी बात के लिए भी अतिअल्प शब्द विन्यास हुआ है। पहला सूत्र है-अथातो ब्रह्म जिज्ञासा। अब ब्रह्म की जिज्ञासा है। दूसरे सूत्र में दो शब्द ही हैं, ''जन्माद्यस्य यतः। अनुवाद है-यहां जिससे जन्म आदि होते हैं।'' अनुवाद से अर्थ पूरा नहीं निकलता इसलिए अनुभूति की सहायता से कहते हैं-वही ब्रह्म है। अब अर्थ पूरा हुआ ''जिससे जन्म आदि होते है वह ब्रह्म है। 'जन्म आदि' का अर्थ भी बड़ा है - जन्म, युवा, बुढ़ापा, मृत्यु, सृष्टि, स्थिति, विकास और प्रलय। तीसरा सूत्र मात्र एक शब्द का ही है, ''शास्त्रयोनित्वात्''- शास्त्र में वही कारण है। पूरा अर्थ है वह ब्रह्म ही वेदों शास्त्रों में जगत् का कारण कहा गया है। ब्रह्मसूत्रों में सृष्टि जगत का रहस्य है, उपनिषदों में वर्णित तमाम सूत्रों की व्याख्या है। ब्रह्मसूत्र चार अध्यायों व 16 छोटे-छोटे खण्डों में विभाजित है। 16 खण्डों को पाद-चरण कहा गया है। सूत्रों में वेद उपनिषद् में आए तमाम शब्दों, प्रत्ययों, विचारों का विवेचन है। उपनिषदों में प्राण शब्द आया है। यहां प्राण को ब्रह्म कहा गया है। (1.1.28-31) छान्दोग्य उपनिषद् में सम्पूर्णता के लिए 'भूमा' शब्द आया है। यहां भूमा को ब्रह्म बताया गया है। (1.3.8-9) विवेकानन्द ने भी 'भूमा' को ब्रह्म कहा है 'ब्रह्म' नाना रूपों में परिवर्तित जैसा प्रति भासित होता है। इस प्रकार अद्वैतियों के लिए जीवात्मा का स्वतंत्र अस्तित्व नहीं है। उनके अनुसार माया ही जीवात्मा के अस्तित्व का कारण है। पारमार्थिक दृष्टि से उसका अपना कोई अस्तित्व नहीं है। इस प्रकार सत्ता यदि केवल एक है, तो यह कैसे संभव हो सकता है कि मैं पृथक सत्ता हूं और तुम एक पृथक् सत्ता हो? यथार्थ में हम लोग सभी एक हैं। हमारी द्वैत दृष्टि ही सभी अनिष्ट का कारण है। जभी मैं यह समझता हूं कि मैं संसार से पृथक् हूं, तभी पहले भय उत्पन होता है और तब दुख का अनुभव होता है। जहां व्यक्ति दूसरे से सुनता है, दूसरे को देखता है, वह अल्प है। जहां व्यक्ति दूसरे को देखता नहीं, दूसरे को सुनता नहीं, वह भूमा है, वह ब्रह्म है। भूमा में परम सुख है, अल्प में नहीं? सत्य तत्व इन्द्रियों की क्षमता से परे है। सत्य तत्व की व्याख्या वैसे भी कठिन है। श्वेताश्वतर (3.20), कठोपनिषद (2.20) और तैत्तिरीय आरण्यक में एक साथ एक प्यारा सा मंत्र/श्लोक आया है ''अणोरणीयान महतो महीयान-अणु से लघुतम अणु और महान से महत्तर (वह है)''। श्वेताश्वतर (6.19) में इसी बात को और विस्तार देते है ''वह निरवयव है, निश्चल है, शांत, निर्दोष और निर्लिप्त है।'' ब्रह्मसूत्र में 561 सूत्र हैं। सभी सूत्र ब्राह्मणों उपनिषदों का विश्लेषण है। ब्रह्म की स्थापना है। यहां सांख्य दर्शन के कारणवाद का खण्डन है। (अध्याय 2.2.1-10) इसी तरह कणाद के परमाणुवाद से उठे भौतिकवादी प्रश्नों का भी परम ब्रह्म में निरूपण है। (वहीः11-17) बौद्ध और जैनमतों का भी जबर्दस्त खण्डन किया गया है (ब्रह्मसूत्रः गीता प्रेस पृष्ठ 148-177) आगे सारी बाते गीता प्रेस से प्रकाशित ब्रह्मसूत्र की पृष्ठ संख्या के उद्धरणों से लिखी गयी हैं। मधु विद्या अमूल्य है। जैमिनि ने पूर्व मीमांसा में इसे देवताओं के योग्य नहीं बताया क्योंकि देवताओं को यह विद्या सहज प्राप्य है। वे ज्योतिर्मय लोकों में रहते हैं। (पृष्ठ 77 श्लोक 1.3.31-32) अगले श्लोक में लिखा है कि 'वादरायण' को यह मतमान्य नहीं है। वेद और उपनिषद 'आनंद' को बार-बार दुहराते है। ब्रह्मसूत्र भी 'आनन्दमयो अभ्यसात्' (1.1.12) लिखता है। यहां आनंदमय शब्द में मयट प्रत्यय संसार बोधक है, मय का तात्पर्य 'व्याप्त' होता है, जैसे दुखमय, सुखमय आदि। ब्रह्मसूत्र आनन्दमय को भी ब्रह्मय बताते हैं। लेकिन तैत्तिरीय उपनिषद में आनंदमय का वर्णन करते हुए उसे सीधे 'रसो वै सः' - वह रस है बताते हैं। ब्रह्मसूत्र में उपनिषदों का आनंद भी ब्रह्म है। तैत्तिरीय उपनिषद् में आनंद का विवेचन है। आनंदमय ब्रह्ममयता है। (1.1.12-19) मुण्डकोपनिषद् में एक मंत्र में कहते हैं ''जो अदृश्य है, इन्द्रिय बोध से परे है, वर्णहीन, गोत्रहीन, आंख, कान, पैर से रहित है नित्य, व्यापक, परिपूर्ण और अविनाशी है। धीरपुरूष उसे देखते हैं, वह समस्त भूतों का कारण है। इसी संदर्भ को लेकर ब्रह्मसूत्र में बताया गया है कि वैदिक अनुभूति में जो अदृश्यता आदि गुणों वाला है। वह ब्रह्म है।'' (1.2.21) ब्रह्मसूत्र मूर्ति पूजा-प्रतीक पूजा की विधि बताता है। आगे कहते हैं 'आसीन सम्भवात्'- बैठकर ही ऐसा सम्भव है। (4.1.7) फिर कहते हैं ''ध्यानाच्य-ध्यान'' (4.1.8) और 'अचलत्वे चापेक्ष्य-शरीर की अचलता की अपेक्षा।'' (4.1.9) ब्रह्मसूत्रों पर तमाम भाष्य लिखे गये। शंकराचार्य का भाष्य अद्वैत सिद्धांत कहलाया। उन्होंने इसी आधार पर ब्रह्म को सत्य और जगत् को मिथ्या बताया। सबसे दिलचस्प है विद्या का प्रकरण। तीसरे अध्याय के चैथे पाद के प्रथम सूत्र में कहते हैं, ''पुरुषार्थ की सिद्धि इसी से (ज्ञान) होती है। शब्द (वेद) यही बताते हैं।'' अगले सूत्र में कहते हैं कि पूर्व मीमांसा के द्रष्टा आचार्य जैमिनि यह बात नहीं मानते। उनका मत है कि ज्ञान को पुरूषार्थ बताना अर्थवाद है। पुरुषार्थ का साधन तो कर्म हैं। श्रेष्ठजनों के आचरण से यही सिद्ध होता है। छान्दोग्य उपनिषद् में भी कर्म को ही पुरूषार्थ का साधन कहा गया है। कर्म कर्तव्य है। (वही 2-7) 6 सूत्रों में जैमिनी के तर्क बताकर फिर वादरायण का मत है ''श्रुति में कर्म की अपेक्षा विद्या की महत्ता है।'' बड़ी मजेदार लेकिन उचित धारणा है कि विद्या कर्म का भाग नहीं है। अध्ययन कर्म भाग है-अध्ययन मात्रवतः। (वही 3.4.12) बताते हैं कि ''विद्या से कर्मों का (कर्मफल) पूरा नाश हो जाता है।'' (3.4.16) वैदिक दर्शन में अक्षर शब्द बहुत आया है। वृहदारण्यक उपनिषद् (3.8.7) में अक्षर की विवेचना है। गार्गी ने याज्ञवल्क्य से पूछा जो द्युलोक से ऊपर है, पृथ्वी से भी नीचे है। इन दोनो के बीच में भी है। जिसे भूत भविष्य और वर्तमान कहते हैं वह काल किसमे ओत प्रोत है? याज्ञवल्क्य ने कहा-आकाश में। गार्गी ने पूछा, वह आकाश किसमें ओतप्रोत है? याज्ञवल्क्य ने कहा उसे ब्रह्मवेत्ता अक्षर कहते हैं, यह न सूक्ष्म है, न लघु, न बड़ा, न लाल, न पीला।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

दर्द में भी रिकॉर्ड तोड़ते ऋषभ पंत, धोनी को पछाड़कर रचा इतिहास

नई दिल्ली भारतीय टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने एक बार फिर दिखा दिया कि क्यों उन्हें टीम इंडिया की रीढ़ कहा जाता है। लॉर्ड्स टेस्ट के दूसरे दिन पंत के खेलने को लेकर संदेह था, क्योंकि पहले दिन विकेटकीपिंग के दौरान उनकी उंगली में चोट लग गई थी और वह मैदान से बाहर चले गए थे। उनकी गैरहाजरी में ध्रुव जुरेल ने विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली। लेकिन जब बल्लेबाजी की बारी आई तो पंत न केवल मैदान पर उतरे, बल्कि उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से सबको चौंका दिया। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट की पहली पारी में जब टीम मुश्किल में थी, पंत ने न केवल विकेट बचाया, बल्कि एक बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। वह एसईएनए (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) देशों में किसी एक टेस्ट सीरीज में एशियाई विकेटकीपर द्वारा सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने इस मामले में अपने गुरु महेंद्र सिंह धोनी को भी पीछे छोड़ दिया। पंत ने इस सीरीज में अब तक 361 रन बना लिए हैं, जबकि धोनी ने 2014 में इंग्लैंड में 349 रन बनाए थे। यही नहीं, पंत ने अपने ही पिछले रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ा है, जो उन्होंने 2018 में ऑस्ट्रेलिया में 350 रन बनाकर बनाया था। इससे पहले वह 2021 में भी इंग्लैंड में 349 रन बना चुके हैं।

जब भारत की टीम 107 रन पर तीन विकेट गंवाकर संकट में थी, तो पंत ने केएल राहुल के साथ मिलकर मोर्चा संभाला। उन्होंने न केवल विकेट रोके, बल्कि चतुराई से रन भी बटोरे। उन्होंने 33 गेंदों में 19 रन बनाकर दिन का खेल खत्म होने तक नाबाद पारी खेली, जबकि केएल राहुल 113 गेंदों में 53 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए थे। गौरतलब है कि पंत ने यह उपलब्धि तब हासिल की जब वह दर्द में खेल रहे थे। चोट के बावजूद उन्होंने अपनी तकनीक और साहस का शानदार प्रदर्शन किया। उनकी बल्लेबाजी ने न सिर्फ भारत की उम्मीदों को जिंदा रखा, बल्कि यह भी दिखा दिया कि मुश्किल समय में टीम को संभालने का माद्दा उनमें है। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने तीन विकेट पर 145 रन बना लिए थे और इंग्लैंड की पहली पारी के 387 रनों के जवाब में 242 रन पीछे था। अब तीसरे दिन सभी की निगाहें इस पर होंगी कि पंत और राहुल की जोड़ी भारत को कितनी दूर तक ले जा सकती है।

आस्ट्रेलिया के लिए 100 टेस्ट खेलना गर्व की बात : मिचेल स्टार्क

किंग्स्टन । ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क रविवार से वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू हो रहे तीसरे टेस्ट में अपने करियर का 100वां टेस्ट खेलेंगे। वह इस उपलब्धि तक पहुंचने वाले ऑस्ट्रेलिया के केवल 12वें फ्रंटलाइन तेज गेंदबाज बन जाएंगे। साथ ही, स्टार्क 400 टेस्ट विकेट पूरे करने से भी महज पांच विकेट दूर हैं। 14 साल के लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर में इस मुकाम तक पहुंचने को उन्होंने अपने लिए गर्व की बात बताया। स्टार्क ने कहा कि बचपन में ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलना उनका सपना था, लेकिन कभी यह उम्मीद नहीं की थी कि वह एक भी टेस्ट खेल पाएंगे। 99 टेस्ट पूरे करना उनके लिए बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने अपने विकास में जोश हेजलवुड और पैट कमिंस की दोस्ती और साझेदारी को अहम बताया। स्टार्क ने कहा कि दोनों ने उन्हें वोबल सीम गेंदबाजी समेत कई तकनीकी पहलुओं में मदद की और उनके करियर को संवारने में बड़ा योगदान दिया। तीनों तेज गेंदबाजों ने अब तक 37 टेस्ट एक साथ खेले हैं। स्टार्क ने इसे खास बताते हुए कहा कि तीनों एक ही जगह से आते हैं, साथ ट्रेनिंग करते हैं, रिहैब में साथ वक्त बिताते हैं और एक-दूसरे को मुश्किल दौर में भी प्रेरित करते हैं। स्टार्क ने कहा, हम सभी जानते हैं कि हम कितने भाग्यशाली हैं। यही वजह है कि हम इतने लंबे वक्त तक टॉप स्तर पर टिके रह सके हैं। स्टार्क ने अपनी फिटनेस के बारे में भी खुलकर बात की। 2022 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उंगली में चोट के बावजूद उन्होंने एमसीजी टेस्ट में गेंदबाजी की थी। उन्होंने कहा कि तेज गेंदबाज होने के नुकसान भी हैं शरीर पर निशान, दर्द, झटके वह तभी मैदान में उतरते हैं जब उन्हें भरोसा होता है कि वह अपना 100 फीसदी दे सकते हैं। आईपीएल को लेकर भी उन्होंने साफ कहा कि वर्षों तक फ्रेंचाइजी क्रिकेट छोड़ने का उन्हें कोई पछतावा नहीं है। टेस्ट क्रिकेट को प्राथमिकता देने के फैसले पर स्टार्क ने कहा, टेस्ट क्रिकेट सबसे कठिन प्रारूप है और मुझे लगता था कि मैं इसके लायक हूं। मैंने आईपीएल छोड़ा ताकि ऑस्ट्रेलिया के लिए 99 टेस्ट खेल सकूं, परिवार के साथ वक्त बिता सकूं और अपने शरीर को तैयार रख सकूं। मैं पीछे मुड़कर कुछ नहीं बदलना चाहूंगा। भविष्य को लेकर स्टार्क बहुत आगे नहीं देखना चाहते लेकिन उन्होंने माना कि आने वाली गर्मियां (जिसमें एशेज भी शामिल है) उनके लिए बड़ी चुनौती होंगी।

दक्षिण कोरिया ने ईस्ट एशियन कप में लगातार दूसरी जीत दर्ज की, हांगकांग को 2-0 से हराया

योंगइन (दक्षिण कोरिया), मेजबान दक्षिण कोरिया ने शुक्रवार को ईस्ट एशियन कप 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए हांगकांग, चीन को 2-0 से हराकर टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत हासिल की।

मैच के 27वें मिनट में कांग सांग-यून ने सियो मिन-वू के पास पर अपने डिफेंडर को छकाते हुए शानदार फिनिश के साथ पहला गोल किया। हाफ टाइम के बाद दक्षिण कोरिया ने दो बार लंबी दूरी से गोल करने की कोशिश की लेकिन दोनों बार निशाना चूक गया। हालांकि 67वें मिनट में ली हो-जे ने दमदार हेडर के जरिए टीम की बढ़त को 2-0 कर दिया। पूरा मैच दक्षिण कोरिया के दबदबे में रहा। टीम ने कुल 78 प्रतिशत गेंद पर कब्जा बनाए रखा और 20 शॉट लिए, जिनमें से 6 सीधे गोल पोस्ट की दिशा में थे। ईस्ट एशियन कप चार टीमों की एक मिनी लीग है, जिसमें हर टीम अन्य तीन टीमों से एक-एक बार मुकाबला करती है। अंक तालिका का निर्धारण अंकों, फिर आमने-सामने के परिणाम, गोल अंतर और किए गए गोलों के आधार पर होता है।

दक्षिण कोरिया ने अपने पहले मुकाबले में चीन को 3-0 से हराया था। दो जीत के साथ कोरियाई टीम के अब छह अंक हो गए हैं। अगला मुकाबला 15 जुलाई को जापान के खिलाफ होगा, जबकि हांगकांग का सामना चीन से होगा। यह टूर्नामेंट 7 से 16 जुलाई के बीच दक्षिण कोरिया के ग्योंगगी प्रांत के सुवोन और योंगइन शहरों में आयोजित किया जा रहा है।

दुनिया के चर्चित रेसलर्स जॉन सीना 2025 में कहेंगे रिंग को अलविदा

नई दिल्ली । डब्ल्यूडब्ल्यूई के अनडिस्प्यूटेड चैंपियन और दुनिया के सबसे चर्चित रेसलर्स में से एक जॉन सीना इन दिनों अपने "रिटायरमेंट टूर" पर हैं। उन्होंने साफ किया है कि दिसंबर 2025 में वह आखिरी बार रिंग में नजर आएंगे। लेकिन अपने करियर के इस अंतिम दौर में भी वह आलोचनाओं से बच नहीं पा रहे। खासकर उनके "सुपर सीना" दौर को लेकर कुछ फैंस ने उन पर आरोप लगाए कि इसी वजह से डब्ल्यूडब्ल्यूई बच्चों के शो जैसा हो गया और इसकी गंभीरता भी घट गई। हाल ही में एक वीडियो में जॉन सीना ने ऐसी टिप्पणियों का जवाब दिया। एक कमेंट का हवाला देते हुए जिसमें लिखा था, "सुपर सीना युग ने डब्ल्यूडब्ल्यूई को बच्चों के देखने लायक बना दिया," सीना ने कहा, "यह आपका नजरिया है, दोस्त। मैं 25 सालों से जॉन सीना हूं। यह मेरा सबसे लंबा चला हुआ किरदार है। मैं जो सुन रहा हूं, वह उन लोगों का नजरिया है जिन्हें शायद मेरा काम पसंद नहीं आया।" जॉन सीना ने यह भी कहा कि उन्हें अपने 25 साल लंबे करियर और उसमें निभाए गए किरदारों पर गर्व है और वह इससे पूरी तरह संतुष्ट हैं। उनकी प्रतिक्रिया दिखाती है कि वह आलोचनाओं को लेकर सहज हैं और उन्हें अपना सफर संतोषजनक लगता है। इसी वीडियो में सीना ने अपने सबसे मशहूर कैचफ्रेज "यू कान्ट सी मी" की उत्पत्ति का किस्सा भी सुनाया। उन्होंने बताया कि यह मूव और कैचफ्रेज तब बना जब उन्हें किसी ने चैलेंज किया कि वह इसे टीवी पर करके दिखाएं। यह सिग्नेचर मूव और लाइन उनके करियर की पहचान बन गई और फैंस के बीच बेहद लोकप्रिय रही।डब्ल्यूडब्ल्यूई में नई भूमिका? हालांकि जॉन सीना रेसलिंग से रिटायर हो जाएंगे, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वह डब्ल्यूडब्ल्यूई से पूरी तरह अलग हो जाएंगे। चर्चा है कि भविष्य में वह कंपनी में कोई नई भूमिका निभा सकते हैं, हालांकि फिलहाल इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। जॉन सीना का यह रिटायरमेंट टूर उनके करियर का एक यादगार समापन साबित हो सकता है, जहां वह फैंस के साथ अपने लंबे सफर का जश्न मना रहे हैं और आलोचनाओं का भी आत्मविश्वास से सामना कर रहे हैं।

व्यापार

अनिश्चितता के कारण शेयर बाजार में लगातार दूसरे सप्ताह गिरावट रही

सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गई

मुंबई भारतीय शेयर बाजार में लगातार दूसरे सप्ताह गिरावट का दौर जारी रहा। इस सप्ताह निवेशकों के मन में अमेरिका की टैरिफ योजना को लेकर बनी अनिश्चितता, अर्निंग सीजन की निराशाजनक शुरुआत और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में हो रही देरी ने बाजार में अस्थिरता पैदा कर दी। इन कारणों से प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। साप्ताहिक कारोबार के दौरान सोमवार को सेंसेक्स 170 अंक गिरकर 83,262 के स्तर पर खुला, हालांकि कारोबार के अंत तक इसमें मामूली सुधार हुआ और यह 83,442 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 53 अंक गिरकर 25,407 पर खुला और बाद में थोड़ा ऊपर 25,461 पर बंद हुआ। मंगलवार को भी दोनों सूचकांक गिरावट में खुले लेकिन दिन के अंत में सेंसेक्स 270 अंक की बढ़त के साथ 83,712 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 61 अंक की बढ़त लेकर 25,522 पर पहुंचा। बुधवार को वैश्विक बाजार के मिले-जुले रुख और टैरिफ अनिश्चितता के कारण बाजार में सतर्कता रही। सेंसेक्स शुरुआत में बढ़त के बावजूद अंत में 176 अंक गिरकर 83,536 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी भी 46 अंक नीचे 25,476 पर बंद हुआ। गुरुवार को हल्की गिरावट के साथ शुरुआत हुई और सेंसेक्स 345 अंक या 0.41 प्रतिशत गिरकर 83,190 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 120 अंक नीचे 25,355 पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को बाजार में भारी दबाव रहा। सेंसेक्स 689 अंक गिरकर 82,500 के स्तर पर बंद हुआ, जो 0.83 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। निफ्टी भी 205 अंक की गिरावट के साथ 25,149 पर बंद हुआ। कुल मिलाकर इस सप्ताह बाजार में निवेशकों की बेचैनी और सतर्कता देखने को मिली, जिसका कारण वैश्विक व्यापार अस्थिरता और घरेलू आर्थिक संकेतकों की कमजोर स्थिति रही। निवेशकों के लिए फिलहाल सतर्क रहना और आर्थिक नीतियों पर नजर बनाए रखना जरूरी है।

दुनिया डिजिटल से क्वांटम इकोनॉमी की ओर बढ़ रही है : सीईआरटी-इन

नई दिल्ली , इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम (सीईआरटी-इन) द्वारा शुक्रवार को जारी एक नई रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया डिजिटल से क्वांटम इकोनॉमी बनने की ओर एक बड़े बदलाव के मोड़ पर खड़ी है। भारत की राष्ट्रीय साइबर एजेंसी द्वारा ग्लोबल साइबरसिक्योरिटी फर्म एसआईएसए के सहयोग से संकलित आंकड़े इस बात पर प्रकाश डालते हैं कि क्वांटम कंप्यूटिंग अब एक भविष्यवादी विचार नहीं, बल्कि साइबर सिक्योरिटी और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पर गहरे प्रभाव डालने वाली एक तेजी से उभरती वास्तविकता है। 'ट्रांजिशनिंग टू क्वांटम साइबर रेडीनेस' शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में बताया गया है कि क्वांटम कंप्यूटर, जो क्वांटम मेकैनिज्म के सिद्धांतों का इस्तेमाल कर काम करते हैं, अब रिसर्च लैब से बाहर निकलकर वास्तविक दुनिया में उपयोग में आ रहे हैं। कई ग्लोबल टेक कंपनियों ने पहले ही शानदार प्रगति कर ली है। दिसंबर 2024 में लॉन्च हुई गूगल की विलो चिप ने 105 क्यूबिट के साथ एरर करेक्शन में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। माइक्रोसॉफ्ट ने फरवरी 2025 में अपना मेजराना-1 प्रोसेसर पेश किया, जिसका लक्ष्य दस लाख क्यूबिट तक विस्तार करना है। आईबीएम का लक्ष्य 2029 तक फॉल्ट-टोलरेंट सिस्टम बनाना है और क्वांटिनम ने रिकॉर्ड तोड़ परिशुद्धता के साथ 56-क्यूबिट ट्रैप्ड-आयन क्वांटम कंप्यूटर बनाया है। रिपोर्ट के अनुसार, नोकिया भी क्वांटम नेटवर्किंग के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब संयुक्त राष्ट्र ने 2025 को इंटरनेशनल ईयर ऑफ क्वांटम साइंस एंड टेक्नोलॉजी वर्ष घोषित किया है, जो दर्शाता है कि ग्लोबल कम्युनिटी इस बदलाव को कितनी गंभीरता से ले रहा है। सेमीकंडक्टर से लेकर सिस्टम सॉफ्टवेयर तक क्वांटम कंप्यूटिंग से जुड़ा इकोसिस्टम तेजी से विकसित हो रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि क्वांटम कंप्यूटिंग की क्षमताएं अपार हैं, लेकिन इसके साथ गंभीर साइबर सुरक्षा जोखिम भी जुड़े हैं। क्वांटम कंप्यूटर आज की मशीनों की तुलना में जटिल समस्याओं को कहीं ज्यादा तेजी से हल कर सकते हैं, जिसका मतलब यह भी है कि वे मौजूदा एन्क्रिप्शन मेथड को ब्रेक कर सकते हैं। आरएसए जैसे एन्क्रिप्शन एल्गोरिदम, जिनका वित्तीय लेनदेन, मैसेजिंग ऐप, डिजिटल साइन और यहां तक कि ब्लॉकचेन सिस्टम की सुरक्षा के लिए इस्तेमाल किया जाता है, को आसानी से क्रैक किया जा सकता है। इससे बड़े पैमाने पर डेटा ब्रीच हो सकता है और डिजिटल इकोनॉमी की रीढ़ को ही खतरा हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, एक बड़ी चुनौती यह भी है कि कई संगठनों को अभी भी अपने मौजूदा क्रिप्टोग्राफिक सिस्टम की स्पष्ट जानकारी नहीं है। भविष्य में जब पोस्ट-क्वांटम क्रिप्टोग्राफी की आवश्यकता होगी, ये ब्लाइंड स्पॉट्स विनाशकारी हो सकते हैं।

हाईवे पर गाड़ी चलाने वाले ध्यान दें, ब्लैकलिस्ट होंगे ऐसे

नई दिल्ली , सुचारू टोल संचालन सुनिश्चित करने और 'लूज फास्टैगÓ की रिपोर्टिंग को मजबूत करने के लिए, एनएचएआई ने शुक्रवार को कहा कि उसने टोल संग्रह एजेंसियों और रियायतकर्ताओं के लिए 'लूज फास्टैगÓ की तुरंत रिपोर्ट करने और ब्लैकलिस्ट करने के लिए अपनी नीति को और सुव्यवस्थित किया है। लूज फास्टैग को आमतौर पर टैग-इन-हैंड भी कहा जाता है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने बयान में कहा कि वार्षिक पास प्रणाली और मल्टी-लेन फ्री फ्लो (एमएलएफएफ) टोलिंग जैसी आगामी पहलों को देखते हुए, फास्टैग की प्रामाणिकता और प्रणाली की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए इस मुद्दे का समाधान करना आवश्यक है। बयान में आगे कहा गया कि कभी-कभी वाहन मालिक जानबूझकर वाहन के विंडस्क्रीन पर फास्टैग नहीं लगाते। इससे परिचालन सम्बंधी चुनौतियां पैदा होती हैं, जिससे लेन में भीड़भाड़, झूठे चार्जबैक, बंद टोल प्रणाली में दुरुपयोग, इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह व्यवस्था में बाधा आती है, जिसके परिणामस्वरूप टोल प्लाजा पर अनावश्यक देरी होती है और राष्ट्रीय राजमार्ग के अन्य उपयोगकर्ताओं को असुविधा होती है। समय पर सुधारात्मक उपाय सुनिश्चित करने के लिए, एनएचएआई ने एक समर्पित ईमेल आईडी उपलब्ध कराई है और टोल संग्रह एजेंसियों और रियायतधारकों को ऐसे फास्टैग की तुरंत सूचना देने का निर्देश दिया है। प्राप्त रिपोर्टों के आधार पर, एनएचएआई रिपोर्ट किए गए फास्टैग को ब्लैकलिस्ट/हॉटलिस्ट करने के लिए तुरंत कार्रवाई करेगा। मंत्रालय ने आगे कहा कि 98 प्रतिशत से अधिक की व्यापक पहुंच के साथ, फास्टैग ने देश में इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह प्रणाली में क्रांति ला दी है। लूज फास्टैग या हाथ में टैग इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह कार्यों की दक्षता के लिए एक चुनौती हैं। यह पहल टोल संचालन को और अधिक कुशल बनाने में मदद करेगी, जिससे राष्ट्रीय राजमार्ग उपयोगकर्ताओं के लिए निर्बाध और सहज यात्रा सुनिश्चित होगी। इस महीने की शुरुआत में, सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्गों के कुछ हिस्सों, जिनमें सुरंगें, पुल, फ्लाईओवर और एलिवेटेड सड़कें शामिल हैं, पर टोल दरों में 50 प्रतिशत तक की कमी की।

भारत का स्वर्ण भंडार 34.2 करोड़ डॉलर बढ़ा, विदेशी मुद्रा भंडार 699.736 अरब डॉलर पर !

नई दिल्ली , भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी नवीनतम साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, देश का स्वर्ण भंडार सप्ताह के दौरान 34.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 84.846 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

सोने के साथ-साथ, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) भी 3.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.868 अरब डॉलर हो गए। इसके अतिरिक्त, आंकड़ों के अनुसार, आईएमएफ में भारत का आरक्षित भंडार भी 10.7 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.735 अरब डॉलर हो गया। भंडार में यह वृद्धि ऐसे समय में हुई है जब घरेलू और वैश्विक सर्राफा बाजारों में भारी तेजी देखी जा रही है। आरबीआई ने कहा कि 4 जुलाई को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 699.736 अरब डॉलर रहा। पिछले रिपोर्टिंग सप्ताह में, कुल मुद्रा भंडार 4.849 अरब डॉलर बढ़कर 702.784 अरब डॉलर हो गया था। सितंबर 2024 के अंत में यह भंडार 704.885 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू गया था। डॉलर के संदर्भ में, विदेशी मुद्रा आस्तियों (एफसीए) में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी इकाइयों के मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का प्रभाव शामिल होता है। शुक्रवार को भारत में सोने और चांदी की कीमतों में जबरदस्त वृद्धि हुई और चांदी की कीमतें सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गईं। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार, 24 कैरेट सोने की कीमत 465 रुपए बढ़कर 97,511 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई, जो एक दिन पहले 97,046 रुपए थी। 22 कैरेट सोने की कीमत बढ़कर 89,320 रुपए प्रति 10 ग्राम और 18 कैरेट सोने की कीमत 73,133 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई। इस बीच, आखिरी कारोबारी दिन के पिछले 24 घंटों में चांदी की कीमतों में 2,356 रुपए की बढ़ोतरी हुई और चांदी ने 1,10,290 रुपए प्रति किलोग्राम का नया रिकॉर्ड बनाया। चांदी ने 18 जून को दर्ज 1,09,550 रुपए के पिछले सर्वकालिक उच्च स्तर को तोड़ दिया। वैश्विक स्तर पर भी कीमती धातुओं में तेजी देखी गई। सोना 1.01 प्रतिशत बढ़कर 3,358 डॉलर प्रति औंस हो गया, जबकि चांदी 2.92 प्रतिशत बढ़कर 38.40 डॉलर प्रति औंस हो गई। विश्लेषक वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और व्यापार शुल्कों को लेकर नई चिंताओं को सोने जैसी सुरक्षित निवेश परिसंपत्तियों की ओर रुझान का मुख्य कारण बता रहे हैं।

फिर दिखेगा बाहुबली का जलवा; रिलीज होगी बाहुबली: द एपिक, राजामौली ने किया ऐलान

साउथ की ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक बाहुबली द बिगनिंग को 10 साल पूरे हो गए हैं। प्रभास स्टारर इस फिल्म को 10 जुलाई 2015 को रिलीज किया गया था। फिल्म ने वर्ल्डवाइड शानदार कमाई की थी और सबसे सक्सेसफुल फिल्मों में अपना नाम दर्ज कराया। आज जब फिल्म को 10 साल पूरे हो गए हैं तो मेकर्स ने ऑडियंस को एक और तोहफा देने का ऐलान कर दिया है। दरअसल बाहुबली फिल्म के ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल से इस बात का ऐलान किया गया है कि बाहुबली के पहले और दूसरे पार्ट को एक साथ सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। बाहुबली मूवी ने लिखा है- 10 साल पहले, एक सवाल ने पूरे देश को एकजुट कर दिया था...अब वही सवाल और उसका जवाब लौट रहे हैं — एक भव्य महाकाव्य में साथ-साथ। बाहुबली द एपिक पूरी दुनिया में 31 अक्टूबर 2025 को रिलीज हो रही है। बाहुबली: द एपिक दरअसल पहली और दूसरी फिल्म का संयुक्त संस्करण है जिसे एक भव्य सिनेमाई अनुभव के रूप में दोबारा परदे पर लाया जाएगा। ये ना सिर्फ बाहुबली की कहानी को फिर से जीने का मौका देगा, बल्कि आज की नई पीढ़ी को भी उस जादू से रूबरू कराएगा जिसने एक दशक पहले पूरी दुनिया को इंप्रेस कर दिया था। फिल्म के डायरेक्टर एस एस राजामौली ने इस मौके पर सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट शेयर की जिसमें उन्होंने लिखा, बाहुबली... कई यात्राओं की शुरुआत, अनगिनत यादें और अंतहीन प्रेरणा। 10 साल पूरे हो चुके हैं और इसे यादगार बनाने के लिए आ रही है बाहुबली द एपिक! 'बाहुबली को वैसे तो कई अवॉर्ड्स मिले थे लेकिन इसे राष्ट्रीय पुरस्कारों से भी नवाजा गया -जिसमें बेस्ट फीचर फिल्म और बेस्ट स्पेशल इफेक्ट्स प्रमुख हैं। ये आज भी छठी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तेलुगु फिल्म है और इसकी हिंदी डब्ड वर्जन अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली डब्ड फिल्म है।

अहान पांडे स्टारर सैयारा का नया गाना धुन हुआ रिलीज, 18 जुलाई को रिलीज होगी फिल्म

रोमांस और मेलोडी का जब भी जिक्र होता है, एक तिकड़ी का नाम अपने आप जहन में आता है अरिजीत सिंह, मिथुन और मोहित सूरी। इस बार फिर से ये म्यूजिकल जादूगर वापस लौटे हैं यशराज फिल्म्स की बहुचर्चित रोमांटिक फिल्म सैयारा के नए गाने धुन के जरिए। यशराज फिल्म्स ने आज धुन को रिलीज करते हुए न केवल एक खूबसूरत गाना पेश किया है, बल्कि एक बार फिर उन जज़्बातों को छू लिया है जो आज के श्रोताओं को सीधे दिल तक लगते हैं। मिथुन और मोहित सूरी की जोड़ी ने दो दशकों में हिंदी सिनेमा को संगीत के कई अनमोल रत्न दिए हैं जहर और कलयुग से लेकर मलंग और अब सैयारा तक। इस लंबे सफर में इन दोनों ने संगीत और सिनेमाई भावनाओं को जिस तरह परोसा है, वह किसी विरासत से कम नहीं। अब इस जोड़ी के साथ जब अरिजीत सिंह जुड़ते हैं, तो संगीत केवल सुनाई नहीं देता महसूस होता है। धुन में वही भावनाएं, वही जादू और वही सादगी सुनाई देती है, जिसकी वजह से तुम ही हो जैसे गाने आज भी अमर हैं। सैयारा को लेकर पहले से ही उत्सुकता चरम पर है। यह पहली बार है जब प्रेम कहानियों के दो दिग्गज -यशराज फिल्म्स और मोहित सूरी -एक साथ एक प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। इस फिल्म में यशराज के नए चेहरों का भी जलवा है अहान पांडे एक रोमांटिक हीरो के रूप में डेब्यू कर रहे हैं, जबकि अनीत पड्डा, जो वेब सीरीज़ बिग गर्ल्स डोंट क्राई में अपने अभिनय से चर्चा में आईं थीं, वायआरएफ की अगली लीडिंग लेडी के रूप में उभर रही हैं। धुन महज़ एक गाना नहीं, बल्कि एक एहसास है। इसमें अरिजीत की भावुक आवाज़, मिथुन की सादगी भरी मेलोडी और मोहित सूरी की विज़न -तीनों का सुंदर संगम है। यह गाना यूट्यूब, म्यूजिक स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स और सोशल मीडिया पर पहले ही वायरल हो चुका है, और दर्शकों के बीच जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। सैयारा को 18 जुलाई 2025 को दुनिया भर में रिलीज़ किया जाएगा। 50 सालों से रोमांटिक सिनेमा में यशराज का जो योगदान रहा है, और मोहित सूरी की दो दशक की फ़िल्मी यात्रा -दोनों को यह फिल्म एक खास मुकाम देने वाली है।

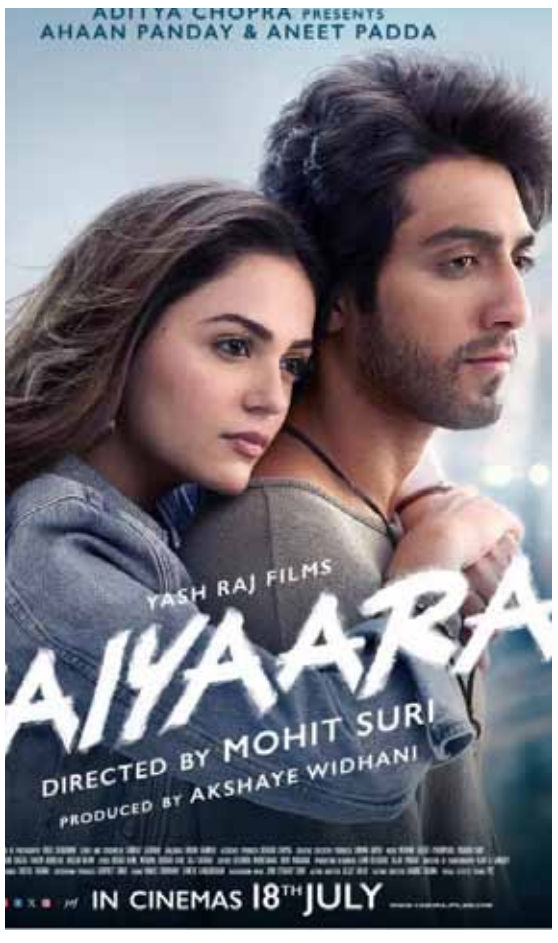

गुरु रंधावा के साथ काम करना मतलब एकदम कातिल तजुर्बा था: रेवती माहुरकर

100 मिलियन व्यूज पार कर चुकी म्यूजिक वीडियो क़त्ल के साथ, डेब्यूटांट रेवती माहुरकर इन दिनों फैंस और इंडस्ट्री दोनों से खूब वाहवाही बटोर रही हैं। उनकी परफॉर्मेंस को जहां रॉ इमोशन और ग्रेस के लिए सराहा जा रहा है, वहीं रेवती खुद इस मौके के लिए बेहद शुक्रगुजार हैं कि उन्हें म्यूजिक सुपरस्टार गुरु रंधावा के साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिला जिसे वो अपना करियर-डिफाइनिंग मोमेंट मानती हैं। सेट के अनुभव को याद करते हुए रेवती ने कहा, गुरु इतने सपोर्टिव और डाउन-टू-अर्थ हैं कि पहले दिन से ही ऐसा लगा जैसे किसी पुराने दोस्त के साथ शूट कर रही हूं। उनका एनर्जी और ईज के साथ परफॉर्म करना इतना इंस्पायरिंग था कि मेरी भी बेस्ट परफॉर्मेंस वहीं निकल गई! बॉस्को मार्टिस द्वारा डायरेक्ट और वार्नर म्यूजिक द्वारा रिलीज किया गया ये गाना एक फ्यूचरिस्टिक, डार्क डांस नंबर है जिसमें विजुअल ड्रामा और इमोशन की पूरी बारात है। रेवती ने इसमें एक मिस्ट्री भरे और बोल्ड कैरेक्टर को जिस अंदाज में निभाया है, वो वीडियो को और भी खास बना देता है थिएटर और डांस की दुनिया से निकलकर ये रेवती की डिजिटल दुनिया में बड़ी छलांग है और इसके लिए वो गुरु रंधावा और पूरी टीम को क्रेडिट देती हैं: इन लोगों ने इस पूरे सफर को इतना स्मूद और क्रिएटिवली मजेदार बना दिया कि लगा ही नहीं मैं न्यूकमर हूं!

भोजपुरी एक्ट्रेस आकांक्षा पुरी ने पिंक ड्रेस में ढाया कहर

इंस्टाग्राम पर शेयर की हॉट तस्वीरें

भोजपुरी और टीवी एक्ट्रेस आकांक्षा पुरी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट से सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया है. आकांक्षा ने पिंक कलर की खूबसूरत लेस ड्रेस पहनकर अपनी कुछ हॉट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं, जिनमें उनका बोल्ड और ग्लैमरस अंदाज देखते ही बनता है. एक्ट्रेस ने पोस्ट में लिखा, गुलाबी रंग के हर टांके में रोमांस. फोटोज में आकांक्षा का कॉन्फिडेंट पोज, सॉफ्ट कर्ल हेयरस्टाइल और मिनिमल मेकअप उनके लुक को और भी एलिगेंट बना रहा है. पिंक ड्रेस के साथ मैचिंग नेल पॉलिश और ओपन हेयर ने भी उनके ग्लैम लुक में चार चांद लगा दिए हैं. फैंस उनकी इन तस्वीरों पर दिल खोलकर प्यार लुटा रहे हैं और कमेंट सेक्शन में फायर और हार्ट इमोजी की बारिश कर रहे हैं.

कुछ ही घंटों में इन तस्वीरों को हजारों लाइक्स मिल चुके हैं. सोशल मीडिया पर यूजर्स ने उन्हें फैंटास्टिक, ब्यूटीफुल और स्टनिंग बताते हुए तारीफों के पुल बांधे हैं. आकांक्षा पुरी का यह लेटेस्ट फोटोशूट एक बार फिर साबित करता है कि वह सिर्फ एक शानदार एक्ट्रेस ही नहीं बल्कि एक फैशन दीवा भी हैं, जिनका हर लुक सोशल मीडिया पर छा जाता है.

आकांक्षा पुरी का ये अंदाज यह भी दिखाता है कि वह अपने फैशन सेंस से हर बार फैंस को सरप्राइज करना जानती हैं. उनके हर लुक में एक खास कॉन्फिडेंस और स्टाइल नजर आता है, जो उन्हें बाकी से अलग बनाता है और यही वजह है कि उनकी हर तस्वीर इंटरनेट पर वायरल हो जाती है.

केडी-द डेविल का धांसू टीजर जारी, ध्रुव सरजा का भौकाली एक्शन और संजय दत्त ने किया खून-खराबा, रौब में नजर आईं शिल्पा

कन्नड़ फिल्म केडी-द डेविल का बहुप्रतीक्षित टीजर जारी कर दिया गया है. मेकर्स ने केडी - द डेविल के स्टार कास्ट के किरदारों से पर्दा हटाते हुए फिल्म का टीजर रिलीज किया है. फिल्म के टीजर का अनावरण मुंबई में किया है. केवीएन प्रोडक्शन हाउस ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया हैंडल पर केडी - द डेविल का बहुप्रतीक्षित टीजर जारी किया और कैप्शन में लिखा है, सबसे हिंसक अध्याय की शुरुआत. केडी का टीजर पुराने जमाने के रोष को एक अभूतपूर्व स्तर पर फिर से ले जाएगा. टीजर की शुरुआत एक चेतावनी के साथ होती है, जिसमें लिखा है, अलर्ट, यह ट्रेलर कन्नड़, हिंदी, तेलुगु, तमिल, मलयालम जैसी कई भाषाओं में देखा जा सकता है. बस सेटिंग्स में जाएं, ऑडियो ट्रैक पर क्लिक करें और अपनी पसंदीदा भाषा चुनें. टीजर की शुरुआत एक्शन सीन से होती है. टीजर में ध्रुव सरजा, संजय दत्त, शिल्पा शेट्टी, नोरा फतेही, रेशमा नानाय्या, रमेश अरविंद और वी रविचंद्रन के किरदार से परिचय कराया गया है, जो काफी दमदार है. इस बीच ध्रुवा और संजय दत्त का दमदार एक्शन सीन दमदार बैकग्राउंड म्यूजिक के साथ दिखाया है. टीजर में बताया गया है कि ध्रुवा और संजय के किरदार के बीच खून का रिश्ता होता है, लेकिन वो रिश्ता अंग में दौड़ने वाले खून का नहीं है. टीजर एक्शन और खून-खराब से भरा हुआ है. उम्मीद है कि दर्शकों को यह एक्शन फिल्म पसंद आएगी. केडी-द डेविल के प्रति दर्शकों का उत्साह बढ़ाने के लिए मेकर्स ने पांच महानगरों में टीजर लॉन्च करने का प्लान किया है. केडी-द डेविल को केवीएन प्रोडक्शंस द्वारा प्रस्तुत किया गया है और प्रेम द्वारा निर्देशित किया गया है. यह 1970 के दशक के बैंगलोर की सच्ची घटनाओं पर आधारित एक पीरियड एक्शन एंटरटेनर ड्रामा है. फिल्म में ध्रुव सरजा, संजय दत्त, शिल्पा शेट्टी, नोरा फतेही, रमेश अरविंद और वी रविचंद्रन महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं. पैन इंडिया वाली यह फिल्म हिंदी, तमिल, कन्नड़, तेलुगु और मलयालम भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

पैन इंडिया फिल्म महावतार नरसिम्हा का नया प्रोमो रिलीज, दिखी प्रह्लाद महाराज की यात्रा की झलक

महावतार नरसिम्हा एक ऐसा सिनेमा बनता जा रहा है, जो वाकई देखने लायक होगा क्योंकि इसमें भव्यता है, जबरदस्त विजुअल्स हैं और कहानी भी दमदार लग रही है. हाल ही में मेकर्स ने जब महावतार सिनेमैटिक यूनिवर्स का एलान किया, तो मानो बात और भी बड़ी हो गई. होम्बले फिल्म्स और कलीम प्रोडक्शंस ने इस बड़े एनिमेटेड प्रोजेक्ट का लाइनअप ऑफिशियली अनाउंस कर दिया है. ये पूरी फ्रेंचाइज़ अगले दस सालों तक चलेगी और भगवान विष्णु के सात दिव्य अवतारों की कहानी बताएगी जिसमें महावतार नरसिम्हा (2025), महावतार परशुराम (2027), महावतार रघुनंदन (2029), महावतार द्वारकाधीश (2031), महावतार गोकुलानंद (2033), महावतार कल्कि पार्ट 1 (2035), और महावतार कल्कि पार्ट 2 (2037) एक नाम शामिल है. अब मेकर्स ने महावतार नरसिंह से एक नया प्रह्लाद महाराज प्रोमो रिलीज़ किया है, जो फिल्म की रोमांचक कहानी की एक झलक देता है। इस प्रोमो को सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, राजकुमार बनकर जन्मे, संत के रूप में पूजे गए, प्रह्लाद महाराज , अंधकार के समय में भक्ति की अमर ज्योति, धर्म की विजय की शुरुआत हो चुकी है, 25 जुलाई से सिनेमाघरों में होगी रिलीज 3डी में. महावतार नरसिम्हा का डायरेक्शन अश्विन कुमार ने किया है, और इसे शिल्पा धवन, कुशल देसाई, और चैतन्य देसाई ने कलीम प्रोडक्शंस के तहत प्रोड्यूस किया है. होम्बले फिल्म्स के साथ मिलकर, जो अपनी आकर्षक कंटेंट के लिए जानी जाती है, यह पार्टनरशिप अलग-अलग एंटरटेनमेंट प्लेटफॉर्म्स के जरिए एक सिनेमाई मास्टरपीस पेश करने का लक्ष्य रखती है. इस फिल्म की शानदार विजुअल्स, सांस्कृतिक विविधता, बेहतरीन फिल्म तकनीक, और मजबूत कहानी के साथ, इसे 3डी और पांच भारतीय भाषाओं में रिलीज़ किया जाएगा.

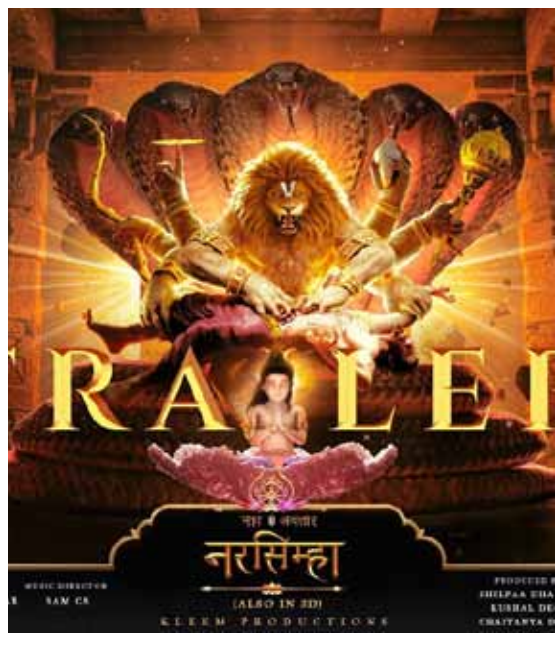

Preliminary report of Air India plane crash reveals that both engines had stopped working after takeoff

New Delhi, The fuel control switch of the engine of Air India's Boeing 787-8 aircraft moved from 'run' to 'cutoff' position three seconds after takeoff, causing the plane to crash 34 seconds after take-off, according to the preliminary investigation report of the Aircraft Accident Investigation Bureau (AAIB) on Saturday. Both fuel control switches supplying fuel to the engines of Air India Flight 171 moved from 'run' to 'cutoff' position one after the other, shutting down both engines. According to the investigation report, one pilot is heard asking the other in the cockpit voice recorder why he turned off the fuel, to which the other pilot replies that he did not do so. According to the report, the fuel switches of engines 1 and 2 moved to the 'run' position within a few seconds. The EGTs

of both engines increased, indicating that the relight process had begun. Cockpit voice recordings show that there was confusion among the pilots. One pilot asked, "Why did you cut?" The other replied, "I didn't," possibly indicating a misunderstanding. In this flight, co-pilot Clive Kunder was flying the plane, while chief pilot Sumit Sabharwal was monitoring the flight. Sabharwal had about 8,600 hours of experience on the Boeing 787, while Kunder had more than 1,100 hours of experience. According to the report, both the pilots had got adequate rest before the flight. According to the 15-page report, the time from the start of the flight to the accident was about 30 seconds. The report said that at present the investigation has not found anything on the basis of which any warning has to be issued for the company that makes Boeing 787-8 aircraft and GE GenX-1B engines. Initial reports said that the US Federal Aviation Administration (FAA) had issued a Special Information Bulletin (SAIB) in 2018, warning about the possibility of the locking feature of the fuel control switch becoming detached. However, Air India did not investigate the matter as the bulletin was only advisory and not mandatory. According to the report, all the required airworthiness directives and alert service bulletins on the aircraft and its engines were followed. The report also said that there were no weather-related problems during the flight and the take-off weight of the aircraft was within the prescribed limits. The investigation is currently ongoing and the investigation team will review additional evidence, records and information received from stakeholders. In a statement on social media platform X after the report went public, Air India said, "We mourn the loss and are fully committed to providing assistance during this difficult time. Air India is working closely with stakeholders, including regulators."

Chances of rain throughout the week in Delhi-NCR, life affected due to humidity and waterlogging

New Delhi, People will have to face continuous rains throughout this week in Delhi and the entire NCR. Along with this, there will be strong sunlight as well, after which people will have more trouble due to humidity. According to the latest report of the Indian Meteorological Department (IMD), the Meteorological Department has not issued any kind of warning or alert at present, but the continuous rain has increased the problems of the common people. According to the weather forecast from July 12 to July 17, there is a possibility of rain or heavy showers with thunder every day. The temperature has been recorded between a maximum of 36 degrees Celsius and a minimum of 23 degrees Celsius. The humidity level in the air is also quite high, which will range from 60 percent to 95

percent, due to which there will be intense humidity in the area. There may be a slight increase in the maximum temperature in the next two days, due to which heat and humidity can be quite troublesome. Due to rain, there is a serious problem of waterlogging in many areas of Delhi and NCR. Major roads, underpasses and colonies are flooded, due to which the traffic system has collapsed. Drivers have to spend a long time in traffic, and vehicles have also stopped at many places.n The situation in Delhi NCR, Noida-Ghaziabad as well as Gurugram remains extremely worrying. Due to long traffic jams and waterlogging on underpasses and roads, drivers are seen facing a lot of trouble and problems. Despite there being no warning from the weather department, people are advised to avoid unnecessary travel during rains and stay away from waterlogged areas. The Municipal Corporation and other concerned agencies have also been instructed to fix the drainage system.

Udaipur Files: Supreme Court refuses to hear petition seeking to stop release till Kanwar Yatra

New Delhi, The Supreme Court has rejected the petition demanding to stop the release of the film 'Udaipur Files' till the Kanwar Yatra. After the decision of the Delhi High Court, the matter related to the release of the film reached the Supreme Court. On Friday, the Supreme Court refused to hear the case and rejected the petition. The Supreme Court gave a comment on this matter. It said, Delhi High Court has already given an order on this, so we will not hear this demand. The film 'Udaipur Files' was to be released on Friday itself. It is based on the Kanhaiya Lal murder case. On June 28, 2022, Mohammad Riyaz Attari

and Gaus Mohammad together slit the throat of tailor Kanhaiyalal in Udaipur, Rajasthan. After this murder, outrage was seen across the country. However, on Thursday, the Delhi High Court temporarily stayed the release of this film based on the Kanhaiya Lal murder case. This ban will remain in effect until the central government decides on the review petition filed against the approval of the film by the censor board. A bench of Chief Justice DK Upadhyay and Justice Anish Dayal was hearing several petitions in the case. One of these petitions was also filed by Jamiat Ulema-e-Hind President Maulana Arshad Madani. He had demanded the cancellation of the CBFC (Central Board of Film Certification) certification given to the film. These petitions said that the release of the film 'Udaipur Files' is likely to incite communal tension and disrupt public order, which will seriously affect the fabric of religious harmony in the country. After hearing all the parties, the High Court ordered a temporary ban on the film.The court directed the central government to decide on the review petitions within a week by giving the manufacturer an opportunity to be heard. If interim relief is sought in the petition, then that should also be considered and a decision should be taken.

Pakistan's new strategy: Now preparations are being made to terrorize India through Nepal, plans of Jaish and Lashkar revealed

New Delhi, India's security agencies were already alert after the recent terrorist attack in Pahalgam, and now the warning from Nepal has further increased the seriousness of the threat. A top Nepal official has clearly said that Pakistan-backed terrorist organizations Jaish-e-Mohammed and Lashkar-e-Taiba can use Nepal's land to attack India. Nepal Presidential Advisor Sunil Bahadur Thapa said terrorists could take advantage of the open border and visa-free travel regime between India and Nepal at an important conference on Terrorism in South Asia: A Challenge to Regional Peace and Security in

Kathmandu, organised by the Nepal Institute for International Cooperation and Engagement (NIIC). Nepal MP Shishir Khanal said that now India and Nepal will have to work together to strengthen border management. He suggested that high-tech surveillance technology should be used, intelligence should be shared, and joint anti-terrorism operations should be initiated. Former Nepal Defence Minister Minendra Rijal criticised Pakistan's policy of supporting terrorism and said that it was harming India, Nepal and Pakistan itself. Past incidents that are warnings include the arrest of a Pakistani terrorist by the IAF at the Sonauli border in 2017. In 1999, the ISRO 814 flight was hijacked from Kathmandu. On May 18, 2025, the Nepal module chief of Lashkar-e-Taiba was killed in Pakistan. In the 2025 Pahalgam attack, a Nepali citizen was also killed. Open movement on the India-Nepal border has now become a major challenge in terms of security. The concern expressed by Nepal indicates that in the coming times, India and Nepal will have to formulate a common strategy against terrorism. India has already taken action against Pakistani launchpads under 'Operation Sindoor' but now terrorists are eyeing soft entry points like Nepal border.

PM Modi handed over appointment letters to 51,000 youth in the 16th employment fair, said- youth are soldiers of nation building

New Delhi, Prime Minister Narendra Modi on Saturday distributed appointment letters for government jobs to more than 51,000 youth through video conferencing at a ceremony organized at 47 places across the country under the 16th Rozgar Mela. In his address on this occasion, PM Modi described the youth as soldiers of nation building and said that their appointment is part of a transparent process without any slip, without any expense. He emphasized that these youth will realize the resolve of 'Developed India'. The job fair is part of the commitment of

the Central Government, which focuses on providing employment opportunities to the youth and speeding up the recruitment process. This initiative was started on 22 October 2022, and so far more than 10 lakh youth have been given government jobs. These newly appointed youth will serve in areas like Ministry of Railways, Ministry of Home Affairs, Department of Posts, Ministry of Health and Family Welfare, Financial Inclusion and Industrial Development. PM Modi said, departments may be different, but your aim is one - national service. Whether you perform duties in the railways, protect the country, take postal services to villages or become a part of the health mission, your aim is to contribute in building a developed India. The PM said that the next 20-25 years are crucial for India and the youth must link their careers with the goal of a developed India. Referring to a recent International Labour Organisation (ILO) report, he said that in the last decade, more than 90 crore citizens were linked to welfare schemes, which not only increased social security but also created lakhs of new jobs. The Prime Minister also emphasized on employment generation in the private sector. Under the recently approved 'Employment Linked Incentive Scheme', an assistance of Rs 15,000 will be given to the youth getting employment for the first time. A budget of Rs 1 lakh crore has been set for this scheme, which is expected to create about 3.5 crore new jobs. PM said, our country is rapidly moving towards becoming the third largest economy in the world. This is the result of the hard work of our youth. The youth participating in the job fair will also be given training through more than 1,400 e-learning courses on the IGOT Karmayogi portal.

Every family in Bihar will get 100 units of free electricity, Nitish government will give a gift to the people before the assembly elections

Patna, Before the upcoming 2025 assembly elections in Bihar, Chief Minister Nitish Kumar has taken a big step to provide relief to the people. The Nitish government has planned to provide free electricity up to 100 units to every family in the state. This scheme of the Energy Department has been approved by the Finance Department, and soon it will be finalized in the state cabinet meeting. When the scheme is implemented, lakhs of consumers will get direct benefit, which can save up to hundreds of rupees in their monthly electricity bill. Since

assembly elections are to be held in Bihar in 2025, this announcement is also being considered an important move from a political point of view. This decision is being seen as an attempt by the Nitish government to directly woo the middle class and low-income group voters. Opposition parties are preparing to give their response on this scheme. At the same time, the central government's 'PM Surya Ghar Free Electricity Scheme' is already active, under which people are being given relief from electricity bills by installing solar panels on the roof of the house.

Pakistan got agitated by Ajit Doval's statement on the success of 'Operation Sindoor', appealed to international rules

New Delhi, Pakistan is furious with the statement given by India's National Security Advisor (NSA) Ajit Doval on the success of 'Operation Sindoor'. Doval on Friday for the first time criticized Pakistan and said that India targeted nine terrorist hideouts within Pakistan with utmost precision and there was not a single mistake during this. He said that the operation was completed in just 23 minutes and its basis was completely intelligence information. Now the rulers of Pakistan are furious over this revelation of the

Indian NSA. In fact, Doval had challenged the foreign media and said that if India has suffered any damage, then show even one photo, one satellite image. Even if a glass is broken, tell us. We knew who was where and we targeted that place. We did not make any mistake. After Doval's statement, there was a stir in Pakistan. Pakistan's Foreign Ministry held a press conference on Saturday and called Doval's statement 'full of sabotage and lies'. Along with this, Pakistan accused India of violating sovereignty and flouting international laws. Pakistan Foreign Ministry spokesman Shafqat Ali Khan said, Doval's statement is a deliberate false propaganda. It violates all standards of responsible diplomacy. India's boasting of such a military attack is a serious violation of the United Nations Charter. It was also alleged that the targets which India called terrorist hideouts were actually civilian areas and civilians died there. Shafqat Ali Khan said that the international community will now have to take this seriously. If control is not exercised, we have seen its consequences.

Fadnavis' minister's video with a bag full of notes goes viral amidst IT notice, troubles increase

Nagpur, The troubles of Sanjay Shirsat, a minister in the Devendra Fadnavis government of Maharashtra and leader of Shiv Sena (Shinde faction), are continuously increasing. Another video of Shirsat, who is facing a notice from the Income Tax Department for the sudden increase in his assets, is rapidly going viral on social media, which has created a stir in the politics of Maharashtra. In this viral video, Minister Sanjay Shirsat is seen sitting on the bed, wearing shorts and vest and smoking a cigarette. He is

talking to someone on the phone and a trolley bag is lying open next to him, which is seen filled with bundles of notes. His pet dog is also seen in the video. Shiv Sena (Shiv Sena) leader and MP Sanjay Raut has shared this video on his social media account and directly targeted Deputy Chief Minister Devendra Fadnavis. He wrote, I feel sorry for Devendra Fadnavis. After all, how many times will he have to see that his respect is being torn to shreds. Another name for helplessness: Fadnavis. After the video went viral and the opposition attacked him, Minister Sanjay Shirsat has given his clarification on this. He has rejected the claim that there were bundles of notes in the bag seen in the video. Shirsat said, there was no money in the bag but clothes. It is worth noting that Shirsat is already on the radar of the Income Tax Department. The department had sent him a notice regarding the unexpected increase in his assets between 2019 and 2024. On this, Shirsat had said, the Income Tax Department investigates everyone. We were asked to respond by July 9, but I have asked for more time to respond. We are ready to face any investigation.